ಕರ್ನಾಟಕ ವಸತಿ ಶಿಕ್ಷಣ ಸಂಸ್ಥೆಗಳ ಸಂಘ

कोशिश

एक कदम आगे...

Passing Package

Passing package for below and average students

10 दसवीं कक्षा

संपादक मंडली

श्री बसवराज भूती
M.A B.Ed
कित्तूरू राणी चेन्नम्मा आवसनीय शाला,
बेविनहल्ली क्रास. ता॥ शाहपुर जिला॥ यादगिरी
मो नं. 9900804567

डॉ. एन. देवराज
M.A M.Ed Ph.D M.B.A
मोरार्जी देसाई आवासनीय शाला,
चामराज पेट बेंगलुरु ५८६०१८
मो नं. 9449214660

Karnataka Residential Educational Institutions Society. Bengaluru

ಕರ್ನಾಟಕ ವಸತಿ ಶಿಕ್ಷಣ ಸಂಸ್ಥೆಗಳ ಸಂಘ

कोशिश

एक कदम आगे...

SSLC

Passing Package

दसवीं कक्षा

Passing package for below and average students

संपादक मंडली

श्री बसवराज भूती

M.A B.Ed

कित्तूरू राणी चेन्मम्मा आवसनीय शाला,
बेविनहल्ली क्रास. ता। शाहपुर जिला। यादगिरी

मो नं. 9900804567

डॉ. एन. देवराज

M.A M.Ed Ph.D M.B.A

मोरार्जी देसाई आवासनीय शाला,
चामराज पेट बेंगलुरु ५८६०१८

मो नं. 9449214660

Karnataka Residential Educational Institutions Society. Bengaluru

ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳಿಗೆ ಪುನ್ರ ಮನನಮಾಡಲು ಆನುಕೂಲಾಗಲೆಂದು ಚಂದನ ಟಿ.ವಿ ಯಲ್ಲಿ ಪ್ರಸಾರವಾದ ಸಂವೇದನಾ ಇ-ಕ್ಲಾಸ್ ವಿಡಿಯೋಗಳ ಲಿಂಕ್ ಗಳು ಕೇಳಗೆ ನೀಡಲಾಗಿದೆ,ಆಯಾ ಪಾಠಗಳ ಹೆಸರಿನ ಮುಂದಿರುವ ವಿಳಾಸವನ್ನು YouTub ನಲ್ಲಿ ಸರ್ಚ ಮಾಡಿ ಪಾಠದ ವಿವರಣೆ, ವ್ಯಾಕರಣ, ಹಾಗೂ ಪತ್ರ ಲೇಖನ, ನಿಬಂಧಕ್ಕೆ ಸಂಭಂದಿಸಿದ ವಿಡಿಯೋಗಳ ವಿಕ್ಷೀಸಿರಿ.

ಪಾಠಗಳ ಮುಂದಿರುವ ವಿಳಾಸವನ್ನು YouTub ನಲ್ಲಿ ಸರ್ಚ ಮಾಡಿ ವಿಡಿಯೋ ನೋಡಿರಿ

1. कश्मीरी सेब	10th Class Hindi Day-3 Samveda 19-08-2020	11. ईमानदारों के सम्मेलन मे	10th Class Hindi Day-53 Samveda 28-10-2020
2. गिल्लू	10th Class Hindi Day- 8 Samveda 26-08-2020	12. समाया की पहचान	10th Class Hindi Day-58 04-11-2020
3. अभिनव मनुस्य	10th Class Hindi Day-13 Samveda 02-09-2020	13. महिला की साहस गाथा 1	10th Class Hindi Day-63 11-11-2020
4. मरा बचपन -1	10th Class Hindi Day-18 Samveda 09-09-2020	14. महिला की साहस गाथा 2	10th Class Hindi Day-68 18-11-2020
5. मरा बचपन -2	10th Class Hindi Day-23 Samveda 16-09-2020	15. सुर स्याम	10th Class Hindi Day-73 25-11-2020
6. बसंत की सच्चाई	10th Class Hindi Day-28 Samveda 23-09-2020	16. कर्नाटक संपदा	10th Class Hindi Day-78 02-12-2020
7. तुलसी के दोहे	10th Class Hindi Day-38 Samveda 07-10-2020	17. कोशिश करनेवालों की कभी हार नहीं होती	10th Class Hindi |Day-83 09-12-2020
8. इंटरनेट क्रान्ति 1	10th Class Hindi Day-43 Samveda 14-10-2020	18. व्याकरण भाग-1	10th Class Hindi Day-3 Bridge Course 22-07-2020
9. इंटरनेट क्रान्ति 2	10th Class Hindi Day-48 Samveda 21-10-2020	19. व्याकरण भाग-2	10th Class Hindi Day-8 Bridge Course 29-07-2020
10. शनि सबसे सुंदर गृह	10th Samveda Hindi Shani Sabse Sundar Graha Day 33	20.पत्र लेखन निबंध	10th Class Hindi Day-13 Bridge Course05-08-2020

Visit my blog

bhootibasu.blogspot.com

कोशिश एक कदम आगे...
Basawaraja Bhooti. Mob - 9900804567
अध्ययन सामग्री

मातृभूमि

Imp↓↓

1. भारत माँ के प्रकृति सौंदर्य का वर्णन कीजिए। (APR, JUNE 16-17-18-20

OR **मातृभूमि कविता में प्रकृति सौंदर्य कैसे वर्णित है ?** APRIL 2018 JUNE 19

OR **मातृभूमि कविता में प्राकृतिक समृद्दि का वर्णन किस प्रकार किया गया है ?** JUNE 15

- ✓ कवि वर्मा जी ने मातृभूमि कविता में प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन करते है की -
- ✓ भारत माँ का प्रकृति-सौंदर्य नयन मनोहर है।
- ✓ मातृभूमि के हरे-भरे सुहाने खे प्रकृति की शोभा बढ़ाते हैं।
- ✓ यहाँ फल-फूलों से युक्त बाग-बगीचे तथा वन हैं।
- ✓ इस धरती खनिजों की अपार सम्पदा है।

2. मातृभूमि का स्वरूप कैसे सुशोभित है ? JUNE-2018 JUNE 2019

OR **मातृभूमि कविता में भारत माँ का स्वरूप कैसे वर्णित है ?** APRIL 2019 APR 15

उत्तर : कवि भगवतीचरण वर्मा मातृभूमि के स्वरूप के बारे में कहते हैं कि –

- → भारत माँ के एक हाथ में न्याय का पताका है
- → और दूसरे हाथ में ज्ञान का दीप है।
- → मातृभूमि हरे-भरे खे और अपार खनिज सम्पदा से सुशोभित है।

3. कवि भारत माता को " अमरों की जननी " क्यों कहते है ? Sept 2020

उत्तर : भारत माता गांधी, बुद्ध और राम जैसे अमर व्यक्तियों को जन्म दिया है। इसलिए कवि भारत माता को **" अमरों की जननी "** कहते है।

कश्मीरी सेब

1. दूकानदार ने लेखक (प्रेमचंद) से क्या कहा ?

- ✓ दूकानदार ने लेखक से कहा-
- ✓ बाबूजी, बड़े मजेदार की सेब आए हैं, खास कश्मीर के |
- ✓ आप ले जाएँ, खाकर तबीयत खुश हो जायेगी।

2. दूकानदार ने अपने नौकर से क्या कहा ?

- ✓ दूकानदार ने तराजू उठायी और अपने नौकर से कहा-
- ✓ सुनो, आध सेर कश्मीर सेब निकाल ला चुनकर लाना।

3. रोज एक सेब खाने से लाभ क्या है ? JUNE 2019

- ✓ रोज एक सेब खाने से हमें बहुत सी लाभ हैं।
- ✓ जैसे- सेब खाने से विटामिन और प्रोटीन मिलता है।
- ✓ साथ ही डक्टरों की जरूरत न रहेगी।

➢ प्रेरणार्थक क्रिया क्रिया शब्द

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक	द्वितीया प्रेरणार्थक
लगना	लगाना	लगवाना
लिखना	लिखाना	लिखवाना
पीना	पिलाना	पिलवाना
सोना	सुलाना	सु लवाना
दोना	धुलाना	धुलवाना
पढ़ना	पढ़ाना	पढ़वाना
देखना	दिखाना	दिखवाना
उड़ना	उड़ाना	उड़वाना
चलना	चलाना	चलवाना
जितना	जिताना	जितवाना
भेजना	भिजाना	भिजवाना
बाँटना	बँटाना	बंटवाना
मिलना	मिलाना	मिलवाना

1. निम्नलिखित में से प्रथम प्रेरणार्थक शब्द है ? jun 2018

A. ठहरो   C. चढना
B. सीखाना   **B. सिखाना.**

2. निम्नलिखित में से प्रथम प्रेरणार्थ शब्द है ? 2017

A. पढवाना   C. पढाई
B. **पढाना**   D. पढ़

3. "चलना" शब्द का प्रथम प्रेरणाथक रूप है। jun 2019

A. चल   C. चलावट
B. चलो   **D. चलाना**

4. निम्नलिखित में से प्रथम प्रेरणार्थ शब्द है ? Aprl 2019

A. पढाई,   C. पढना,
B. **पढाना,**   D. पढवाना,

5. निम्नलिखित में से प्रथम प्रेरणार्थक शब्द है ? jun 2019

A. लेखन,   **C. लिखाना,**
B. लिखावट   D. लिखाई

4. प्रेमचंद जी ने खरीदारी के बारे में क्या चेतावनी दी है ? APRIL 2019

OR **'कश्मीरी सेब' पाठ में लेखक पाठकों को क्या चेतावनी देते हैं ?** JUNE 2018

- ✓ 'कश्मीरी सेब' पाठ में लेखक अपने अनुभव बताते हुए पाठकों को यह चेतावनी देते हैं।
- ✓ कि अगर खरीदारी करते समय सावधानी नहीं बरतें तो धोखा खाने की संभावना होती है।
- ✓ साथ ही बाजार में लोगों के साथ होनेवाली धोखेबाजी पर प्रकाश डाला है।

5. 'कश्मीरी सेब' कहानी से आपको क्या सीख मिलती है ? APRIL 2018

- ✓ 'कश्मीरी सेब' कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि-
- ✓ अगर खरीदारी करते समय सावधानी नहीं बरतें तो धोखा खाने की संभावना होती है।
- ✓ साथ ही विटामिन और प्रोटीन के बारे में जानकारी मिलती है।

6. सेब के हालत के बारे में (लिखिए) आप क्या जानते है ?

- ✓ लेखक प्रेमचंद नाश्ता करने के लिए एक सेब निकाला, तो वह
- ✓ एक रुपए के आकार का छिलका गल गया था।
- ✓ दूसरा सेब आधा सडा हुआ था।
- ✓ तिसरा एक तरफ दबकर बिलकुल पिचक गया था ।
- ✓ चौता सेब काटा तो भीतर बोरों में जैसा काला सुराख था।
- ✓ एक सेब भी खाने लायक नहीं थे।

imp

गिल्लू

1. "गिल्लू " पाठ से क्या सीख मिलती है ? Or "गिल्लू " पाठ का आशय क्या है?

- ✓ गिल्लू पाठ से स्नेहभाव तथा प्राणी दया की सीख मिलती है।
- ✓ पशु-पक्षियों के स्वभाव, उनकी जीवन शैली के बारे में जानकारी मिलती है।
- ✓ पशु-पक्षी, हमारी तरह कभी कभार हमसे भी अधिक भावानुकूल, सहृदय व्यवहार और विचारवान होते हैं।
- ✓ पशु-पक्षियों के प्रति महादेवी वर्मा के प्रेम से हम परिचित होते हैं।
- ✓ साथ-साथ पशु-पक्षियों की रक्षा करना और उनके पति प्रेम-भाव जगाने की सीख मिलती है ।

2. लेखिका ने गिल्लू की प्राण कैसे बचाये ? APRIL 2016 JUNE 2019 JUNE 2017

- ✓ महादेवी वर्मा जी घायल गिल्लू को हौले से उठाकर अपने कमरे में लायीं ।
- ✓ रूई से रक्त पोंछकर घावों पर पेन्सिलिन का मरहम लगाया।
- ✓ उसके मुँह में पानी टपकार गिल्लू की जान बचायी।

3. लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए गिल्लू क्या करता था ? JUNE 2016

- ✓ लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए –
- ✓ गिल्लू उनके पैर तक आकर सर्र से पर्दे पर चढ़ जाता और फिर उसी तेजी से उतरता।
- ✓ उसका यह दौडने का क्रम तब तक चलता, जब तक लेखिका उसे उठा न ले।

▪ विराम चिन्ह

1) अल्प विराम – ,
2) अर्ध विराम – ;
3) पूर्णा विराम - ।
4) प्रश्न वाचक - ? क्या, कैसे, कहाँ, कब, क्यों,
5) भावसूचक – !
6) योचक चिन्ह - -
7) उद्धरण – “ ”

प्रश्न मादरी :

1.मोटर उसके ऊपर से निकल गई !
June 2018, 2020

A. पूर्ण विराम, C. योजक चिह्न,
B. प्रश्न चिह्न, D. विस्मयादिबोधक

2. क्या तुम थक गई हो Aril 2018

A. पूर्ण विराम, C.योजक चिह्न,
B. प्रश्न चिह्न, D. अल्प विराम

3. किताब कहाँ है Apri 2017

A. पूर्ण विराम, C.प्रश्न चिह्न,
B. योजक चिह्न, D.विस्मयादि बोधक

4. पं रजकिशोर कहाँ रहते हैं ?jun 2017

A. पूर्ण विराम C. योजक चिह्न
B. प्रश्न चिह्न D.अल्प विराम

5. इसके बाद क्या करना पडेगा Apri 19

A. पूर्ण विराम C.अल्प विराम
B. योजक चिन्हD. प्रश्नवाचक चिन्ह

6. कहाँ चोट लगी है ? jun 19

A. पूर्ण विराम C. योजक चिह्न
B. प्रश्न चिह्न D. अल्प विराम

7. हाथी भाई, हम लोग मकान बनाना चाहते हैं । उपर्युक्त वाक्य प्रयुक्त विराम चिह्न है । Apr20

A. पूर्ण विराम C. योजक चिन्ह
B. अल्प विराम D. प्रश्नवाचक

4. वर्मा जी को चौंकाने के लिए गिल्लू कहाँ कहाँ छिप जाता था ? APR 15 JUN 17

- ✓ कभी फूलदान के फूलों में,
- ✓ कभी परेदे की चुन्नट में,
- ✓ कभी सोनजुही की पत्तियों में छिपकर महादेवी वर्मा को चौकाता था ।

5. गिल्लू ने महादेवि वर्मा की अस्वस्थाता में उनका खयाल कैसे रखा ? APR 19

वर्मा जी के प्रति अपनी सहानुभूति प्रकट करते हुए गिल्लू, लेखिका की अस्वस्थाता में उनके तकिए के सिरहाने बैठकर अपने नन्हें पंजों से उनके सिर और बाल सहलाता रहता था।

6. गिल्लू के क्रिया-कलाप के बारे में लिखिए। JUNE 2015 JUNE 2018 APRIL 2020

- ✓ लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए -
- ✓ गिल्लू उनके पैर तक आकर सर्र से पर्दे पर चढ़ जाता था ।
- ✓ फूलदान के फूलों में, कभी परेदे की चुन्नट में, कभी सोनजुही की पत्तियों में छिपकर महादेवी वर्मा को चौकाता था।
- ✓ दिन भर बाहरी गिलहरियों के साथ उछलता कूदता और ठिक चार बजे घर आकर अपने झूले में झूलने लगता था।
- ✓ लेखिका की थाली के पास बैठकर बडी सफाई से खाना खाता रहता था।
- ✓ लेखिका लिखने बैठती तब लिफाफे के भीतर बैठकर उनका कार्य-कलाप देखा करता था।

7. लेखिका की गैर हाजरी में गिल्लू ने दिन कैसे बिताये ? APRIL 2018

- ✓ लेखिका गैर हाजरी में गिल्लू अपना प्रिय खाद्य काजू बहुत कम खाता था ।
- ✓ लेखिका के कमरे का दरवाजा खुलते ही वह अपने झूले उतरकर दौडता था ।
- ✓ किसी दूसरे को देखकर उदास होकर वापस अपने घोंसले में जा बैटता था ।

8. **लेखिका के प्रति गिल्लू अपनी भावना कैसे प्रकट करता था ?** APRIL 20019

- ✓ लेखिका जब अस्पताल में थीं, तब गिल्लू उदास रहता था,
- ✓ अपना प्रिय खाद्य काजू बहुत कम खाता था ।
- ✓ लेखिका की अस्वस्थता में उनके तकिए के सिरहाने बैठकर अपने नन्हें पंजों से उनके सिर और बाल सहलाता रहता था।
- ✓ इस प्रकार गिल्लू लेखिका के प्रति अपनी भावना प्रकट करता था।

10. गिल्लू के प्रति महादेवी वर्मा जी की ममता का वर्णन कीजिए ।

- ✓ महादेवी वर्मा जी घायल गिल्लू को हौले से उठाकर अपने कमरे में लायीं ।
- ✓ रूई से रक्त पोंछकर घावों पर पेन्सिलिन का मरहम लगाकर उसका प्राण बचाया। छोटे जीव गिल्लू को घर में पले कुत्ते बिल्लियों से बचाया ।
- ✓ गिल्लू की जीवन-यात्रा का अंत में हीटर जलाकर उसे उष्णता देने का प्रयत्न किया।

11. लेखिका ने गिल्लू को क्या-क्या सिखाया ?

- ✓ गिल्लू को, खाना खाते समय थाली के पास बैठना सिखाया।
- ✓ थाली में से एक-एक चावल उठाकर बडी सफाई से खाना सिखाया।
- ✓ लिखते समय लंबे लिफाफे में बैठकर उनका कार्य-कलाप देखना सिखाया

➢ लिंग

- सुनार-**सुनारिन**
- नाइन - **नाई**
- ठाकुर-**ठकुराइन**
- सेठ-**सेठानी**
- मालक- **मालकिन**
- शेर - **शेरनी**
- नौकर-**नौकरानी**
- मोर - **मोरनी**
- हाथी – **हाथिनी**
- मयूर-**मयूरी**
- स्वामी - **स्वामिनी**
- छात्र - **छात्रा**
- आचार्य - **आचार्या**
- शिष्य- **शिष्या**
- गिलहरी-**मादा गिलहरी**
- भैंस – **भैंसा**
- दाता – **दात्री**
- आदमी - **औरत**
- कुत्ता – **कुतिया**
- भाई-**बहन**
- श्रीमान – **श्रीमती**
- नाता - **नाती**
- पोता-**पोती**
- बालक-**बालिका**
- सेवक-**सेविका**
- लेखक-**लेखिका**
- अध्यापक-**अध्यापिका**
- गायक-**गायिका**
- नर-**मादा**
- महान - **महती**
- पुरुष – **महिला**
- एकाकी - **एकाकिनी**
- भाग्यवान-**भाग्यवती**

1. आदमी शब्द का स्त्रीलिंग रूप है ?

Jun18

A. स्त्री, C. महिला,

B. नारी, D. औरत.

2. निम्नलिखित में स्त्रीलिंग शब्द है ?

Jun17

A. भिखारी C. युवती

12. गिल्लू के अंतिम दिनों का वर्णन कीजिए। APRIL-2020 Sept-2020

- ✓ गिलहरियों के जीवन अवधि दो वर्ष से अधिक नही होती, अतः
- ✓ गिल्लू की जीवन यात्रा का अंत आ ही गया।
- ✓ दिन भर उसने न कुछ खाया, न वह बाहर गया।
- ✓ पंजे ठंडे हो रहे थे, लेखिका हीटर जलाकर उसे उष्णता देने का प्रयत्न किया।
- ✓ परन्तु प्रभात की प्रथम किरण के साथ ही वह चिर निद्रा में सो गया।
- ✓ सोनजुही की लता के नीचे गिल्लू की समाधि बनायी गयी।

imp

आधुनिक मानव

1.'प्रकृति पर सर्वत्र है पुरुष आसीन' इस पंक्ति का आशय समझाइए। APRIL 2020

OR आधुनिक मानव की भौतिक साधना का विवरण कविता के आधार दीजिए | APR 18,19

OR आधुनिक मानव ने प्रकृति के हर तत्व पर कैसे विजय प्राप्त की है ? वर्णन कीजिए। JUN 20

- ✓ आधुनिक मानव ने प्रकृति के हर तत्व को अपने नियंत्रण में कर लिया है।
- ✓ उसने जल, विद्युत, भाप, वायु पर अपना नियंत्रण बना लिया है।
- ✓ वह नदी, पर्वत, सागर एक समान लाँघ सकता है।
- ✓ उसका यान आकाश में जा रहा है।
- ✓ वह परमाणु प्रयोग भी कर रहा है।
- ✓ उसकी बौद्धिक क्षमता असीमित है।
- ✓ आज मानव ने प्रकृति की हर तत्व को विकृति कर दिया है।

2. दिनकर जी के अनुसार मानव का सही परिचय क्या है। Jun 15.16.17.18.19. Apr15,

OR अभिनव मनुष्य के आधार पर मनुष्य का सही परिचय कैसे स्थापित किया गया है ?

- ✓ कवि दिनकर जी कहते हैं- आज मनुष्य ने प्रकृति पर विजय प्राप्त कर ली है।
- ✓ मानव को व्योम से पाताल तक सब कुछ ज्ञात है।
- ✓ परंतु स्वयं को नहीं पहचाना, अपने भाईचारे को नहीं समझा।
- ✓ मानव की सही पहचान वह है जो मानव-मानव के बीच स्नेह का बाँध बाँधता है, जो मानव दूसरे मानव से प्रेम का रिश्ता जोडकर आपस की दूरी को मिटाता है, वही मानव कहलाने का अधिकारी होगा।
- ✓ जो मनुष्य बुद्धि को चैतन्य हृदय से जीतता है।
- ✓ आपसी भाईचारा, पारस्परिक प्रेम, सहमनुष्य के साथ स्नेह से रहना ही मानव का सही परिचय है।

3. "अभिनव मनुष्य" कविता का आशय क्या है ?

- ✓ वैज्ञानिक युग और आधुनिक मानव का विश्लेषण करते हुए कवि दिनकर जी इस कविता द्वारा यह संदेश देना चाहते हैं।
- ✓ कि मानव-मानव के बीच स्नेह का बाँध बाँधना चाहिए।
- ✓ मानव दूसरे मानव से प्रेम का रिश्ता जोडकर आपस की दूरी को मिटाना चाहिए।
- ✓ मानवियता, भाईचारा, पारस्परिक प्रेम से रहना ही मानव की सही साधना है।

B. कवि D. पति

3. निम्नलिखित में से पुल्लिंग शब्द है ?

Jun18

A. मोरनी C. गाय

B. हाथी D. भैंस

4. निम्नलिखित में से स्त्रीलिंग शब्द है ?

Ap17

A. लिखिका C. भिखारी

B. नौकर D. बालक

5. बेटा का अन्य लिंग है Apri 2020

A. सुत C बेटी

B. छात्रा D. पुत्र

6. निम्नलिखित में स्त्रीलिंग शब्द है ?

Jun 19

A. हाथी C. बहन

B. आदमी D. शेर

➢ वचन - बहु वचन

- ➢ लिफाफा – लिफाफे
- ➢ चीज – चीजें
- ➢ रुपया-रुपये
- ➢ आँख - आँखें
- ➢ दूकान-दूकानें
- ➢ बच्चा-बच्चे
- ➢ केला- केले
- ➢ पुस्तक-पुस्तकें
- ➢ चादर-चादरें
- ➢ कोशीश - कोशीशें
- ➢ कर्मचारी-कर्मचारियाँ
- ➢ मुर्ती- मुर्तियाँ
- ➢ व्यापारी-व्यापारियाँ
- ➢ नीती - नीतियाँ
- ➢ रेवडी - रेवडियाँ
- ➢ परदा - परदें
- ➢ उपलब्दी - उपलब्दियाँ
- ➢ कमरा - कमर
- ➢ संस्कती संस्कृतियाँ
- ➢ कपडा-कपडे
- ➢ जानकारी-जानकारियाँ
- ➢ कुत्ता-कुत्ते
- ➢ कहानी कहानियाँ
- ➢ रास्ता – रास्तें

imp

मेरा बचपन

1. कलाम जी का बचपन बडी निश्चिंतता और सादगी में कैसे बिता ? APRI 18

OR अब्दुल कलाम जी के बचपन के बारे में आप क्या जानते हैं ?

- ✓ कलाम जी का बचपन बडी निश्चिंतता और सादगी में बिता ।
- ✓ उनके पि अनावश्यक एवं ऐशो- आरामवाली चीजों से दूर रहने वाले आडंबरहीन व्यक्ति थे।
- ✓ परंतु घ पर सभी आवश्यक चीजें समुचित मात्रा में सरलता से उपलब्द थीं।
- ✓ इसलिए उनका बचप बडी निश्चिंतता और सादगी में बिता ।

2. जैनुलाबदीन नमाज की प्रासंगिकता के बारे में क्या कहते हैं ? JUNE 2018

- ✓ जैनुलाबदीन नमाज की प्रासंगिकता के बारे में कहते हैं-
- ✓ ' जब तुम नमाज पढते तो तुम अपने शरीर से इतर ब्रह्मांड का एक हिस्सा बन जाते हो; जिसमें दौलत, आयु, जाति धर्म-पंत का कोई भेदभाव नहीं होता।'

3. कलाम जी को जलालुद्दीन ने नई दुनिया का बोध कैसे कराया ? APRIL-2019

- ✓ जलालुद्दीन हमेशा कलाम को शिक्षित लोगों के बारे में बताते थे।
- ✓ वे वैज्ञानि खोजों, समकालिन साहित्य, चिकित्सा विज्ञान की उपलब्दियों के बारे में बताते थे।
- ✓ ज्ञान संबंध इन जानकारियों से कलाम को सीमित दायरे से बाहर निकाल कर नई दुनिया का बोध कराया।

4. जलालुद्दीन, कलाम को किन-किन विषय के बारे में बताते थे ? Sept-2020

- ✓ जलालुद्दीन हमेशा कलाम को शिक्षित लोगों के बारे में बताते थे।
- ✓ वे वैज्ञानि खोजों, समकालिन साहित्य, चिकित्सा विज्ञान की उपलब्दियों के बारे में बताते थे ।

5. जैनुलाबदीन के व्यक्तित्व का परिचय दीजिए।

- ✓ जैनुलाबदीन अब्दुल कलाम के पिता थे।
- ✓ वे बुद्धिमान थे और उनमें उदारता सची भावना थी।
- ✓ उनका परिश्रम और आडंबरहीन जीवन सब के लिए आदर्शप्राय।
- ✓ अनावश्यक एवं ऐशो- आरामवाली चीजों से दूर रहते थे।
- ✓ धार्मिक एकता को मानने वाले अतिथियों की सेवा में संतृप्त थे ।

6. आशियम्मा जी अब्दुल कलाम को खाने में क्या-क्या देती थीं ? April 2020

- ✓ आशियम्मा जी अब्दुल कलाम को खाने में केले का पत्ता बिछाकार उस पर चावल एवं सुगंधित, स्वादिष्ट सांबार डालती; साथ में घर में बना अचार और नारियल की ताजी चटनीन भी होती ।

7. जैनुलाबदीन ने कौन-सा काम शुरू किया ?

- ✓ जैनुलाबदीन ने लकड़ी की नौकाएँ बनाने की काम शुरू किया।
- ✓ ये नौका तीर्थयात्रियों को रामेश्वरम से धनुष्कोडी तक लाने-ले जाने के काम आती थीं ।

- ➢ कंपनी - कंपनियाँ
- ➢ पैसा-पैसे
- ➢ नौकरी - नौकरियाँ
- ➢ रस्सी रस्सियाँ
- ➢ चोटी चोटियाँ
- ➢ नाती-नातियाँ
- ➢ मछली-मछलियाँ
- ➢ नौका – नौकाएँ
- ➢ गुफा – गुफाएँ
- ➢ कक्षा-कक्षाएँ
- ➢ शीशा – शीशाएँ
- ➢ घर-घर
- ➢ कंप्यूटर-कंप्यूटर
- ➢ पेड-पेड
- ➢ लोग-लोग
- ➢ दोस्त-दोस्त
- ➢ युग-युग
- ➢ कौआ - कौवे
- ➢ गिलहरी – गिलहरियाँ

1. नीती शब्द का अन्य वचन है ? Aprl 2018

A. नितीयाँ C. नातियाँ

B. <u>नीतियाँ</u> D. नितिएँ.

2. निम्नलिखित में बहुवचन शब्द है? Jun 18

A. कमर C.आँख

B. दीवार D. <u>कपडे</u>

3. निम्नलिखित में से बहुवचन शब्द है ?

A. चिट्टी C. <u>किताबें</u>

B. कमरा D.जगह

4. निम्नलिखित में से बहुवचन शब्द है? Apr19

A. दायरा C.रीति

B. सड़क D. <u>पुस्तकें</u>

5. निम्नलिखित में एक वचन शब्द है ?Jun19

A. किताबें C. जानकारियाँ

B. <u>कमरा</u> D. पैसे

6. निम्नलिखित में बहुवचन शब्द है ? Apr19

A. <u>पुस्तकें</u> C. सडक

B. दायरा D.रीति

8. शम्सुद्दीन अखबारो के वितरण का कार्य कैसे करते थे ?

- ✓ वह रामेश्वरम में अखबारों के एक मात्र वितरक थे।
- ✓ अखबार रामेश्वरम स्टेशन पर सु की ट्रेन से पहुँचते थे, जो पामबन से आती थी।
- ✓ एस अखबार एजेंसी को अकेले ही शम्सुद्दीन चलाते थे।
- ✓ रामेश्वरम में अखबारों की जुमला एक हजार प्रतियाँ बिकती थी।

बसंत की सच्चाई

1. बसंत ईमानदार लडका है। कैसे ? April 2016 June 2017

OR बसंत की सचाई एकांकी में स्वाभिमानी बसंत की इमानदारी कैसे व्यक्त हुई है ?Jun16

OR बसंत के उत्तम गुणों का वर्णन कीजिए। April 2019

OR बसंत की ईमानदारी का परिचय सो(उ)दाहरण दीजिए। Apr18 Sep-20 Ju18

OR बसंत के बारे में आप क्या जानते हैं। अपने शब्दों में लिखिए | April 2020

- ✓ बसंत मेहनती, स्वाभिमानी, गरीब, अनाथ और ईमानदार लड़का है।
- ✓ बिना परिश्रम के मदद में मिले धन को वह भीख समझता था।
- ✓ इसलिए पं० राजकीशोर से दया की भीख लेने से इनकार किया।
- ✓ इसी गुण के कारण वह अपनी घायल अवस्था में भी पंडित राजकिशोर के पैसे अपने भाई के हाथ भिजवाता है।
- ✓ सच में, बसंत एक स्वाभिमानी और ईमानदार लड़का है ।

2. पंडित राजकिशोर के मानविय व्यवहार का परिचय दीजिए । Jun 16,17

OR पंडित राजकिशोर के परोपकार गुणों का परिचय दीजिए । April 2017

OR पंडित राजकिशोर के मानविय गुण अनुसरणीय है। कैसे । बताइए । Jun19

OR पंडित राजकिशोर के परोपकारिता अनुसरणीय है। स्पष्ट कीजिए। April-2019

- ✓ पंडित राजकिशोर मजदूरों के नेता थे। वे कंगालों के प्रति हमदर्दी दिखानेवाला व्यक्ति थे।
- ✓ बाजार में बसंत की दशा, परिश्रम एवं ईमानदारी देखकर प्रसन्न हुए
- ✓ और उसकी मदद करना चाहा। बसंत को दुर्घटना में घायल होने की बात से बहुत दु:खी हुए।
- ✓ तुरंत डाक्टर को बुलवाकर बसंत की इलाज करवायी।
- ✓ चिकित्सा का भार भी उठाया और दोनों भाई को सांत्वान कराया।
- ✓ इनका परोपकारी गुण सबके लिए आदर्श है।
- ✓ इस तरह राजकिशोर सच्चे अर्थों में मानवता की मूर्ति थे।

3. प्रताप राजकिशोर के घर क्यों आया ? April 2020

- ✓ ईमानदार लड़का है।
- ✓ वह पंडित राजकिशोर नोट लेकर भुनाने गया ।
- ✓ मोटर दुर्घटना में उसके पैर कुचल गये ।
- ✓ वह बेहोश हो गया। होश में आते ही उसे पैसे लौटाने का धान आया।
- ✓ इसलिए तुरंत प्रताप को बचे पैसे देकर पंडित राजकिशोर के घर भेजा।

➢ मुहावरे

1. अँगूटा दिखाना - इनकार करना
2. टस से मस ना होना- विचलित ना होना
3. पौ फटना - प्रभात होना
4. आँखे दिखना- डराना
5. कमर कसना- तैयार होना
6. आग बबूला होना- अत्यंत क्रोधित होना
7. सिल निचे होना- अवमानित होना \
8. नाक कटना - बदनामी होना
9. आँख खुलना - होश आना
10. चार चाँद लगाना - शोभा बढाना
11. कान खडे होना - सावधान होना
12. हवा में बातें करना - भाग जाना
13. बात का धनी - वचन का पका होना
14. राहत की साँस लेना - चैन से रहना
15. पेट पर लात मारना - नौकरी छीनना
16. दो दिन का मेहमान - जल्द मरने वाला
17. अंगारे उगलना - क्रोध में कठोरवचन बोलना
18. खून पसीना एक करना - बहुत मेहनत करना
19. फूला नही समाना - बहुत खुश होना
20. हाथों के तोते उडना - आश्चर्य चकित होना
21. छक्के छुडाना- बुरी तरह हराना
22. दाल न गलना - सफल न होना
23. पसीना बहाना- परिश्रम करना
24. बाल-बाल बचना - खतरे से बच जाना

1. “पसीना बहाना” मुहावरे का अर्थ है? Jun17

A. निंद करना C. परिश्रम करना

B. इनकार करना D. बहुत मारना

2. 'खतरे से बचजाना' अर्थ देनेवाला मुहावरा है। Apr 2017

A. होश-हवास उडना C.हिम्मत न हारना

B. बाल बाल बचना D. बिडा उठाना

तुलसी के दोहे

1. मुखिया मुख सों चाहिए, खान पान को एक ।

पालै पोसै सकल अंग, तुलसी सहित विवेक ॥ April 2020 Sept 2020

भावार्थ : प्रस्तुत दोहे में तुलसीदास कहते हैं- जिस तरह मुँह खाने-पीने का काम अकेले करते हुए, शरीर के सारे अंगों का पालन-पोषण करता है, उसी तरह मुखिया भी काम अपनी तरह से करें लेकिन उसका फल सभी को मिले।

2. जड, चेतन, गुण दिषमय, विस्व कीन्ह करतार |

संत-हंस गुण गहहिं पय, परिहरि वारि विकार ॥

भावार्थ : प्रस्तुत दोहे में तुलसीदास कहते हैं- सृष्टिकर्ता इस दुनिया को अच्छे-बुरे एवं गुण-दोषमय मिलाकर बनाया है। लेकिन हम, हंस रूपी साधु की तरह विकारों को छोड़कर अच्छे गुणों को अपनाना चाहिए ।

3. दया धर्म का मूल है, पाप मूल अभिमान |

तुलसी दया न छाँडिये, जब लग घट में प्राण ॥

June 2015 June 2016 April 2017 June 2018, April 2019, June 2019.

भावार्थ : प्रस्तुत दोहे में तुलसीदास कहते हैं- दया धर्म का मूल है और पाप का मूल अभिमान है। इसलिए मनुष्य के शरीर में जब तक प्राण है, तब तक अपना अभिमान छोडकर दयालु बने रहना चाहिए।

4. तुलसी साथी विपत्ति के, विद्या विनय विवेक ।

साहस सुकृति सुसत्यव्रत, राम भरोसो एक ॥ Apr 2015 Jun 2017 Apl 2018,

भावार्थ : प्रस्तुत दोहे में तुलसीदास कहते हैं- मनुष्य पर जब विपत्ति पडती है, तब उसकी विद्या, विनय तथा विवेक ही उसका साथ निभाते हैं। जो राम पर भरोसा करने वाला साहसी, सत्यवान बनता है।

5. राम नाम मनि दीप धरु, जीह देहरी द्वार |

तुलसी भितर बाहिरौ, जो चाहसी उजियार ॥ April 2016

भावार्थ: प्रस्तुत दोहे में तुलसीदास कहते हैं जिस तरह देहरी पर दीया रखने से घर के भितर तथा आँगन में प्रकाश फैलता है, उसी तरह राम नाम जपने से मानव की आंतरिक और बाह्य शुद्धि होती है ।

इंटरनेट क्रांति

1. ई-गवर्नेन्स का परिचय दीजिए। OR ई-गवर्नेन्स क्या है ? April 2019June 2015

OR पारदर्शी प्रशासन कैसे संभव है ? June 2016

- ✓ ई-गवर्नेन्स द्वारा सरकार के सभी कामकाज का विवरण, अभिलेख, सरकारी आदेश आदि को यथावत लोगों को सूचित किया जाता है।
- ✓ इससे प्रशासन पारदर्शी बन सकता है ।

➢ विलोम शब्द

- आय x व्यय
- अंधकार x प्रकाश
- आगे x पीछे
- अमृत x विष
- आधार x निराधार,
- जय x पराजय
- परतंत्र x स्वतंत्र
- सफल x विफल
- चल x अचल
- आदर x अनादर
- दयावान x दयाहीन,
- धन x निर्धन
- जन x निर्जन
- बल x निर्बल
- गुण x निर्गुण
- जीत x हार
- आज x कल
- लेना x देना
- आना x जाना
- तोड x जोड
- बढना x घटना
- वरदान x अभिशाप
- सवाल x जवाब
- मुश्किल x आसान
- काटना x जोडना,
- आरोहण x अवरोहण
- चढना x उतरना
- सुंदर x कुरूप
- भीतर x बाहर
- उत्तीर्ण x अनुत्तीर्ण
- उपयोग x अनुपयोग
- चैन x बेचैन
- उपस्थिति x अनुपस्थिति,
- होश x बेहोश
- सहयोग x असहयोग
- खबर x बेखबर
- ईमान x बेईमान
- आयात x निर्यात

2. व्यापार और बैंकिंग में इंटरनेट कैसे मदद करता है ? June 2018 April 2016

- ✓ इंटरनेट द्वारा घर बैठे बैठे खरीदारी कर सकते हैं। कोई भी बिल भर सकते हैं।
- ✓ इंटरनेट बैंकिंग द्वारा दुनिया की किसी भी जगह पर चाहे जितनी भी रकम भेजी जा सकती है ।
- ✓ इससे दूकान जाने और लाइन में घंटों खडे रहने का समय बच जाता है।

3. 'सोशल नेटवर्किंग' एक क्रांतिकारी खोज है। इस कथन का समर्थन कीजिए। Jun 19

OR सोशल नेटवर्किंग साइटों के कारण समाज पर क्या प्रभाव पड़ा है ? Jun-16,17

OR सोशल नेटवर्किंग का परिणाम समाज पर कैसे पड रहा है ? Apr 17 18 20 jun 17,18

- ✓ 'सोशल नेटवर्किंग' एक क्रांतिकारी खोज है, जिसने दुनिया भर के लोगों को एक जगह पर ला खड़ा कर दिया है।
- ✓ फेसबुक, ट्विट्टर जैसे साइटो के कारण देश-विदेश के लोगों के रहन-सहन, वेशभूषा, खान-पान, संस्कृति कला आदि का करण हो रहा है।
- ✓ ई-गवर्नेन्स द्वारा प्रशासन पारदर्शी बन सकता है।

4. "वीडियो कान्फरेन्स" के बारे में आप क्या जानते हैं? April 2020

- ✓ "वीडियो कान्फरेन्स" द्वारा एक जगह बैठकर दुनिया के कई देशों के प्रतिनिधियों के साथ 8-10 दूरदर्शन के परदे पर चर्चा कर सकते हैं।
- ✓ एक ही कमरे में बैठकर विभिन्न देशों में रहनेवाले लोगों के साथ विचार-विनिमय कर सकते हैं।

5. संचार व सूचना के क्षेत्र में इंटरनेट का क्या महत्व है ? Sep20

OR इंटरनेट के कारण संचार व सूचना के क्षेत्र में एक नयी क्रांति आयी है। कैसे ? स्पष्ट कीजिए ।

- ✓ इंटरनेट ने संचार व सूचना के क्षेत्र में कमाल किया है।
- ✓ इसके द्वारा पल भर में बिना ज्यादा खर्च किए कोई भी विचार हो, स्थिर चित्र हो, वीडियो चित्र हो, दुनिया के किसी भी कोने में भेजना मुमकिन हो गया है।
- ✓ कोई संदेश, समाचार तथा हर प्रकार की जानकारियाँ कम समय में पहुँचा जा सकता है। पुस्तकालय की पुस्तकों को जिसे चाहे भेज सकते हैं।
- ✓ तंत्रज्ञान के बिना कोई काम होना असंभव है। शायद इसके बिना संचार व सूचना दोनों ही क्षेत्र ठप पड़ जाते हैं ।

6. इंटरनेट वरदान है तो अभिशाप भी है। कैसे ? स्पष्ट कीजिए ।

- ✓ इंटरनेट सचमुच एक वरदान है। इंटरनेट द्वारा कोई भी विचार हो, स्थिर चित्र हो, वीडियो चित्र हो, दुनिया के किसी भी कोने में भेजना मुमकिन है ।
- ✓ इंटरनेट बैंकिंग द्वारा दुनिया की किसी भी जगह पर चाहे जितनी भी रकम भेजी जा सकती है।
- ✓ "वीडियो कान्फरेन्स" द्वारा विभिन्न देशों में रहनेवाले लोगों के साथ विचार विनिमय कर सकते हैं।
- ✓ इससे देश-विदेश के लोगों के रहन-सहन, वेशभूषा, खान-पान, संस्कृति कला आदि का जानकारी मिलती है । अनगिनत लोगों को रोजगार मिल रहा है।
- ✓ इंटरनेट एक ओर वरदान है तो दूसरी ओर अभिशाप भी है।
- ✓ इंटरनेट की वजह से पैरसी, बैंकिंग फ्राड, हैकिंग आदि बढ़ रही है।
- ✓ चैटिंग, मुक्त वेब साइट आदि से बच्चे व युव पीढी अनुपयुक्त और अनावश्यक जानकारी हासिल कर रहे हैं।
- ✓ इससे वक्त का दुरुपयोग हो रहा है। इसलिए हम लोगों को सचेत रहना चाहिए।

- बलवान x बलहीन,
- बुद्धिमान x बुद्धिहीन
- शक्तिमान x शक्तिही,
- आगमन x निर्गमन

1) 'सदाचार' का विलोम शब्द है ।jun 19

A. निराचार, C. दुराचार,
B. विचार, D. समाचार

2) मुश्किल शब्द का विलोम शब्द है । Apr 19

A. आसान, C.आसमान,
B. कठिन, D. मुलायम

3) अच्छाई शब्द का विलोम शब्द है । jun 18

A. बुराई, C.भलाई,
B. अच्छो, D. सच्चाई.

4) 'अमीर' का शब्द का विलोम शब्द है । Ap18

A. धनिक, C.भीखारी,
B. गरीब, D. नौकर

5) 'पास' शब्द का विलोम शब्द है ।Apl 2018

A. निकट, C. दूर,
B. आर-पार, D.चारों ओर,

6) 'दिन' शब्द का विलोम शब्द है । jun 2017

A. सुबह, C.प्रातः काल,
B. शाम, D.रात,

8. इंटरनेट सचमुच एक वरदान है । कैसे ? स्पष्ट कीजिए । Sept---2020

- ✓ इंटरनेट सचमुच एक वरदान है। इंटरनेट द्वारा कोई भी विचार हो, स्थिर चित्र हो, वीडियो चित्र हो, दुनिया के किसी भी कोने में भेजना मुमकिन है।
- ✓ इंटरनेट बैंकिंग द्वारा दुनिया की किसी भी जगह पर चाहे जितनी भी रकम भेजी जा सकती है ।
- ✓ "वीडियो कान्फरेन्स" द्वारा विभिन्न देशों में रहनेवाले लोगों के साथ विचार-विनिमय कर सकते हैं।
- ✓ इससे देश-विदेश के लोगों के रहन-सहन, वेशभूषा, खान-पान, संस्कृति कला आदि का जानकारी मिलती है ।
- ✓ अनगिनत लोगों को रोजगार मिल रहा है ।
- ✓ चिकित्सा कृषि, अंतरिक्ष ज्ञान, विज्ञान, शिक्षा, रक्षादलों की क्षेत्र में बहुत बड़ा योगदान है ।

ईमानदारों के सम्मेलन में

imp

1. हरिशंकर परसाई जी को सम्मेलन में क्यों बुलाया गया ? Apr 18, 20 Sep 20

OR ईमानदारों के सम्मेलन में हरिशंकर परसाई जी को क्यों आमंत्रित किया गया ? Apr15

- ✓ परसाई जी देश के प्रसिद्ध ईमानदार व्यक्ति थे।
- ✓ उन्हे ईमानदारों के सम्मेलन का उद्घाटन करने के लिए बुलाया गया।
- ✓ उनके आगमन से उदीयमान ईमानदारों को बडी प्रेरणा मिलती है ।

2. ईमानदारों के सम्मेलन पाठ में मुख्य अतिथि की बेईमानी कैसे व्यक्त हुआ है ? Apr15

- ✓ लेखक दूसरे दर्जे में सफर करके पहले दर्जे का किराया लेना चाहते थे
- ✓ स्वागत में मिले फुल माला पहनकर स्टेशन पर माली की याद किया।
- ✓ सम्मेलन में उनकी चप्पलें गायब थी, तो उन्होने दूसरों की चप्पलें पहन ली।
- ✓ इन बातों से उनकी बेईमानी व्यक्त होती है ।

3. चप्पलों की चोरी होने पर ईमानदार डेलीगेट ने क्या सुझाव दिया ? Jun17 Apr16

- ✓ ईमानदार डेलीगेट ने सुझाव दिया कि-
- ✓ देखिए चप्पलें एक जगह नहीं उतारनी चाहिए।
- ✓ एक चप्पल यहाँ उतारये, तो दूसरी दस फीट दूर तब चप्पल चोरी नहीं होतीं

5. मंत्री जी को लेखक परसाई जी ने क्या समझाया ? June 2015

- ✓ लेखक ने मंत्री को समझाया कि ईमानदारों के सम्मेलन में ईमानदारों की तलाशी लें, यह बड़ी अशोभनीय बात होगी।
- ✓ फिर इतने बड़े सम्मेलन में थोडी गडबडी होगी ही।

5. परसाई जी ने कमरा छोड़कर जाने का निर्णय क्यों किया ? June 2019

- ✓ सम्मेलन में आकर परसाई जी की -
- ✓ चप्पल, धूप का चश्मा, कम्बल और ताला तक चोरी हो गयी।
- ✓ इससे तंग आकर परसाई जी ने कमरा छोड़कर जाने का निर्णय किया ।

➢ संधि

दीर्घ संधि	
Hints आ, ई, ऊ	
आ = देवालय ऊ = सहानुभूति ई= कवीन्द्र	आ = संग्रालय ऊ = लगुत्तर ई = गिरीश

गुण संधि	
Hints ए , ओ , आर	
ए = गजेंद्र ओ = परोपकार आर = महर्षि	ए = रामेश ओ = महोसत्व

वृध्दी संधि	
Hints ऐ, औ	
एकैक मतैक्य परमौषद	सदैव महैश्वर्य वनौषद

यण संधि	
Hints त्य, न्व, त्र	
इत्यादि स्वागत पित्रुपदेश	अत्यंत मन्वंतर पित्राज्ञ

आयाधी संधि	
Hints य , व	
गायन गायक नयन चयन	भवन पावक पवन भावक

1) 'परमौषद' शब्द में संधि है । Aprl 2018

A. दीर्घ संधि, **C. वृद्धि संधि,**
B. यण संधि, D. गुण संधि

2) 'संग्रालय' शब्द में संधि है । **jun2017**

A. **दीर्घ संधि,** C. वृद्धि संधि,
B. यण संधि, D. गुण संधि ।

3) 'महोत्सव" में संधि है ? **Jun 2018**

A. दीर्घ संधि, C. वृद्धि संधि,
B. यण संधि, **D. गुण संधि**

4) 'अत्यंत' शद्ब में संधि है । **Apr 2019**

A. दीर्घ संधि, C. वृद्धि संधि,
B. **यण संधि,** D. गुण संधि

समय का पहचान

1.मानव के लिए सुख की प्राप्ति कब संभव है ? June 2019

- ✓ समय बहुत अनमोल है। इसलिए समय नष्ट नहीं करना चाहिए।
- ✓ आलस्य और बहाना बनाना छोडकर मेहनत से काम करने से मनुष्य के लिए सुख की प्राप्ति कब संभव है

2. समय का सदुपयोग कैसे करना चाहिए ? April-2018. 20 June-2018

OR **'समय अत्यंत अनमोल है'। कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।** Sept-2020

OR **'समय की पहचान' कविता का आशय क्या है** ?

- ✓ समय का महत्व धन से भी ज्यादा है।
- ✓ द्वारा मनुष्य को प्राप्त अनुपम धन है।
- ✓ समय अधिक महत्वपूर्ण और उपयोगी है। संसार का कोई भी द्रव्य इसकी बराबरी नहीं कर सकता।
- ✓ अपना काम बिना टाले उसी समय पूरा करना चाहिए।
- ✓ आलस्य त्याग कर, समय को अमूल्य धन मानकर कार्य करने से जीवन सफल होता है।

3. 'समय की पहचान' कविता का संक्षिप्त सारांश लिखिए। April 2019

- ✓ Ans: समय अनमोल है यह ईश्वर द्वारा मनुष्य को प्राप्त अनुपम धन है।
- ✓ समय रहते ही हमें अपने सारे काम पूरे कर लेने चाहिए।
- ✓ काम करने के लिए प्राप्त समय को व्यर्थ नहीं गवाँना चाहिए।
- ✓ काम को टालना नहीं चाहिए, क्योंकि बीता हुआ अवसर नहीं आता आलस्य नहीं करना चाहिए।
- ✓ स्वयं पर विश्वास रखते हुए अपने काम कोम पूरी लगन से करना चाहिए।

महिला की साहस गाथा

1. बिछेंद्री पाल का बचपन कैसे बिता ? April 2018

- ✓ बचपन में बिछेंद्री पाल को रोज 5 कि.मि. पैदल चलकर स्कूल जाना पड़ता था।
- ✓ वे कठोर परिश्रम करती थीं। सिलाई का काम सीख कर पैसे जुटाए।
- ✓ यह उनकी पढ़ाई के खर्च में काम आया।

2. बिछेंद्री पाल ने पहाड़ पर चढ़ने की पूर्व तैयारी कैसे की ?

- ✓ पढ़ाई के साथ-साथ बिछेंद्री पाल ने पहाड़ पर चढ़ने के अपने लक्ष को भी हमेशा अपने सामने रखा।
- ✓ इसी दौरान उन्होने 'कालानाग' पर्वत की चढ़ाई की।
- ✓ सन १९८२ में उन्होने 'गंगोत्री ग्लेशियर' तथा 'रूड गेरो' की चढई की।
- ✓ जिससे उनमें आत्मविश्वास और बढा।

➢ 'कि' और 'की' प्रयोग:

'कि'

समुच्चय / कारण बोधक अव्यय शब्द है।

★ दो वाक्यों को जोड़ने का कार्य करना।

- रोहन के पिताजी ने सुझाव दिया कि वह अपने कंप्यूटर शिक्षक से पूछताछ करे।

★ प्रश्नार्थक वाक्य में विकल्प के रूप में प्रयोग करना।

- राम आया कि कृष्ण ?
- तुम चाय पिओगे कि काफी ?

★ उपवाक्य के आरंभ में प्रयोग |

- उसने कहा कि मैं पढ़ाई करुगाँ।
- वे समझते थे कि समय ही सच्चा धन है।

'की'

★ संबंधसूचक अव्यय शब्द है।

★ स्त्रीलिंग संज्ञा शब्द के पुर्व प्रयुक्त होती है।

- विनोद की माता गायत्री।
- गाँव की गलियाँ छोटी हैं।

★ 'क्रिया' के रूप में भी 'की' प्रयोग होता है।

- राम ने परीक्षा पास की।
- उसने प्रतिज्ञा की।

★ संबंध सूचक शब्द के पूर्व प्रयोग होता है।

- उसकी आँखे लाल हो गयी।

इनकी गाड़ी है|

3. बिछेंद्री पाल के संकल्प क्या थी ?

- ✓ हिमालय पर्वतारोहियों का सम्मेलन 1983 को दिल्ली में हुआ तब वे तेनजिंग नोर्गे (एवरेस्ट पर चढनेवाले पहले पुरुष) तथा जुंके ताबी (एवरेस्ट पर चढनेवाली पहली महिला) से मिलीं।
- ✓ तब उन्होने संकल्प लिया कि वे भी उनकी तरह पहुँचेंगी।
- ✓ इसी संकल्प से वे 13 मई 1984 को एवरेस्ट पहुँचकर भारत का झंडा फहरा दिया।

4. दक्षिणी शिखर पर चढते समय बिछेंद्री के अनुभवों का विवरण दीजिए।

- ✓ दक्षिणी शिखर के ऊपर हवा की गति बढ गई थी।
- ✓ उस ऊँचाई पर तेज हवा के झोंके भुरभुरे बर्फ के कणों को चारों तरफ उड़ा रहे थे। जिससे कुछ दिखाई नहीं दे रहा था ।
- ✓ बिछेंद्री ने देखा कि थोडी दूर तक कोई ऊँची चढाई नहीं है। ढलान एकदम सीधी निची चली गई है।
- ✓ मेरी साँस मनो एकदम रुक गई थी। मुझे लगा कि सफलता बहुत नजदीक है।
- ✓ 23 मई, 1984 के दिन दोपहर के 1 बजकर 7 मिनट पर मैं एवरेस्ट की चोटी पर खड़ी थी।

5. एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचकर बिछेंद्री ने क्या किया ? June 2019 Sept-2020

- ✓ एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचकर बिछेंद्री ने बर्फ पर अपने माथे को लगाकर सागरमाथे के ताज का चुंबन किया।
- ✓ अपने थैले से हनुमान चालिसा और दुर्गा माँ का चित्र निकाला।
- ✓ उसे लाल कपड़े में लपेटा और छोटी-सी पूजा करके उसको बर्फ में दबा दिया।

6. 'महिला की साहसगाथा' पाठ से क्या संदेश मिलता है ? April 2019 June 2018

- ✓ महिलाएँ पुरुषों से कम नहीं है। विद्यार्थी कठिन परिश्रम का महत्व समझते हैं ।
- ✓ दृढ निश्चय, साहस, परिश्रम, धैर्य द्वारा लक्ष प्राप्त करने का तत्व समझते हैं।
- ✓ मुसीबतों का सामना करना आदि आदर्श गुण सीखते हैं।
- ✓ इसके साथ हिमालय की ऊँची चोटियों की जानकारी भी प्राप्त करते हैं ।

7. बिछेंद्री पाल के परिवार का दीजिए। April 2020

- ✓ बिछेंद्री का जन्म एक साधारण भारतीय परिवार में हुआ था।
- ✓ पिता किशनपाल सिंह और मता हंसादेवी नेगी की पाँच संतानों में से वह तीसरी संतान हैं।
- ✓ उनके बड़े भाई को पहाड़ों पर जाना अच्छा लगता था ।

सुर – श्याम

1. कृष्ण बलराम के साथ खेलने क्यों नहीं जाना चाहता ? April 2016

- ✓ बलराम कृष्ण को चिढाता है। वह कृष्ण से कहता है कि
- ✓ यशोदा ने उसे जन्म नहीं दिया है बल्कि मोल लिया है।
- ✓ इस गुस्से के कारण कृष्ण बलराम के साथ खेलने नहीं जाता है ।

2. कृष्ण अपनी माता के प्रति क्यों नाराज है ? Sept 2020

- ✓ कृष्ण अपनी माता के प्रति नाराज है क्योंकि माँ, तुमने केवल मुझे ही मारना सीखा है।
- ✓ और भाई पर कभी गुस्सा नहीं करती ।

➢ समास

अव्ययीभाव समास	तत्पुरुष समास
पूर्वपद अव्यय लगाना। अनु, आ, पति, भर, यथा, हर, आदि	कार्क का लूप होना का, के, की, के लिय, की, में, पर, से, आदि
आजन्म बेखटके भरपेट यथासंभव प्रतिदिन अनजाने	गगनचुंबी प्रेमसागर धनहीन राजपुत्र जलप्रपात स्वर्गप्राप्त
करमधारेय समास	**द्विगु समास**
तुलना करना (विशेष, विशेषण उपमान, उपमेय)	संख्या तथा समुहवाची शब्द
चरणकमल चंद्रमुख नीलकांत पीताम्बर करकमल	त्रिलोक पंचावटी शाताब्दी नवरात्रि चौराह
द्वंद्व समास	**बहुरविही समास**
योजक चिन्ह का (-) प्रयोग	देवी देवताओं के नाम
दिन – रात पाप – पुण्य दाल –रोटी श्राद्धा – भक्ति देश – विदेश	दशानन (शिव) लंबोदरा (गणेश) चक्रपाणि (कृष्ण) त्रिनेत्र (शिवा) घनश्याम (कृष्ण) श्वेतांबरी (सरस्वती)

3. बाल कृष्ण अपनी माता से क्या-क्या शिकायतें करता है ?

- ✓ बलराम बहुत चिढाता है। वह मुझसे से कहता है कि –
- ✓ यशोदा ने जन्म नहीं दिया है। बल्कि मोल लिया है।
- ✓ माता-पिता का रंग गोरा है, लेकिन उसका रंग काला है ।

4. कृष्ण के प्रति बलराम की शिकायतें क्या है ?

- ✓ वह नंद और यशोदा का बेटा नहीं है, बल्कि मोल लिया है ।
- ✓ माता-पिता का रंग गोरा है, लेकिन उसका रंग काला है ।

5. कृष्ण बलराम के प्रति क्यों नाराज है ? June-2018

- ✓ बलराम कृष्ण को यह कहकर चिढाता है कि-
- ✓ वह नंद और यशोदा का बेटा नहीं है, बल्कि मोल लिया है।
- ✓ माता-पिता का रंग गोरा है, लेकिन उसका रंग काला है।
- ✓ इस अपमान के कारण कृष्ण बलराम से नाराज है।

6. बलराम कृष्ण के माता-पिता के बारे में क्या कहता है ? April-2019

- ✓ बलराम कृष्ण से बार-बार पूछता है कि –
- ✓ तुम्हारे माता-पिता कौन हैं ?
- ✓ नंद और यशोदा तो गोरे हैं,
- ✓ लेकिन तुम्हारा शरीर क्यों काला है ?

7. यशोदा क्यों खुश हो जाती है ? June 2017

अपने भाई बलराम के प्रति क्रोधित एवं सखाओं द्वारा अपमानित कृष्ण के क्रोधयुत मुख को देखकर और उसकी बातों को सुनकर यशोदा खुश हो जाती है।

8. यशोदा कृष्ण के क्रोध को कैसे शांत करती है ? June 2016 April 2018 April 2020

OR माता यशोदा कृष्ण की नाराजगी को कैसे दूर करती है ? June 2015 April 20

- ✓ यशोदा कहती है - बलराम तो जन्म से ही धूर्त, चुगलखोर है।
- ✓ मैं गोधन की कसम खाकर कहती हूँ, मैं ही तेरी माता हूँ और तुम मेरे पुत्र हो ।
- ✓ इस प्रकार (शांत करती है) (मनाती है) (सांत्वान देती है) (नाराजगी दूर करती है) ।

कर्नाटक संपदा

1. बेंगलुर की प्रसिद्ध बृहत संस्थाएँ कौन-कौन सी हैं? June 2015

OR बेंगलुर विश्वभर में क्यों प्रसिद्ध है ? वर्णन कीजिए। Sept-2020

- ✓ बेंगलुर शिक्षा और बड़े-बड़े उद्योग-धंधों का केंद्र है।
- ✓ यहाँ देश-विदेश के लोग आकर बस गये हैं।
- ✓ यहाँ प्रसिद्ध भारतीय विज्ञान संस्थान,
- ✓ एच.ए.एल, एच. एम. टी, आई.टी.आइ, बी.एच.ई.एल, बी.ई.एल जैसी बृहत संस्थाएँ हैं।
- ✓ इसे 'सिलिकान सिटी' कहते हैं ।

1) चौमास' किस समास का उदाहरण है । Aprl 2017

A. कर्मधारय **C. द्विगु**

B. द्वंद्व समास, D.बहुव्रीहि

2) निम्न में 'द्वंद्व समास' का उदाहरण है । Aprl 2017 2018

A. निलकंठ, C. देशप्रेम

B. पंचवटी, **D. दिन-रात**

3) 'दाल रोटी' शब्द में समास है । jun 2017

A. कर्मधारय समास, C. द्विगु समास,

B. **द्वंद्व समास,** D. बहुव्रीहि समास

4) निम्नलिखित में से 'द्विगु समास का उदाहरण है। Jun 2019

A. राजधानी, C. दोपहर,

B. श्राद्धा-भक्ति, **D. भरपेट**

5) "जलप्रताप" इस समास का उदाहरण है। Aprl 2019

A. द्वंद्व, C. द्विगु,

B. बहुव्रीहि, **D. तत्पुरुष**

➢ कारक और विभक्ति चिन्ह

- करता – ने ಉ (ನು,ಳು,ರು,ದು)
- कर्म - को
- कारण – से
- अपदान – से
- संप्रदान – के, के द्वार, के वास्ते
- संबंद – का के की
- अधिकरण – मे, पर
- संबोधना – हे! ओ! वाह! हाय!

2. नदियों पर बने जलाशयों के लाभ हैं ? April 2017 June 2017

- ✓ नदियों पर बने जलाशयों से हजारों एकड़ जमीन की सींचाई की जा सकती है।
- ✓ जलाशयों की सहायता से ऊर्जा का उत्पादन भी किया जाता है ।

3. कर्नाटक के किन साहित्यकारों को ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला है ? June 2016

- ✓ आधुनिक काल के साहित्यकार कुवेंपु, द.रा.बेंद्रे, शिवराम कारंत, एम.वी. अय्यंगार, यू. आर. अनंतमूर्ति, गिरीश कार्नाड और चंद्रशेखर कंबार ज्ञानपीठ पुरस्कार से अलंकृत है।

4. कर्नाटक के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन कीजिए। April 2015
OR कर्नाटक के प्राकृतिक सुषमा का वर्णन कीजिए। April 2019 June-2019

- ✓ कर्नाटक की प्राकृतिक सुषमा नयन मनोहर है।
- ✓ एसके पश्चिम में विशाल अरबी समुद्र लहराता है।
- ✓ इसी प्रांत में दक्षिण से उत्तर के छोर तक फैली लंबी पर्वतमालाओं को पश्चिमी घाट कहते हैं।
- ✓ इन्ही घाटों के कुछ भाग सह्याद्रि कहलाता है।
- ✓ दक्षिण में नीलगिरि की पर्वतवलियाँ शोभायमान हैं।

5. कर्नाटक की शिल्पकला और वास्तुकला का वर्णन कीजिए। Apri 2017 June-2018
OR कर्नाटक की शिल्पकला और वास्तुकला अनोखी है। स्पष्ट कीजिए। June-2019

- ✓ बादामी, ऐहोले, पट्टदकल्लु, के मंदिर की शिल्पकला और वास्तुकला अद्भुत है।
- ✓ बेलुरु, हलेबीडु, सोमनाथपुर मंदिरा की मूर्तियाँ सजीव लगती हैं।
- ✓ श्रवणबेलगोल में गोमटेश्वर की ५७ फूट एकशिला प्रतिमा शांति और त्याग का संदेश देती है।
- ✓ विजयपुर के गोलगुंबज की व्हिस्पिरिंग गैलरी वास्तुकला का अद्वितीय उदाहरण है।
- ✓ मैसूर के राजमहल, संट फिलोमिना चर्च, जगनमोहन आर्ट गैलरी आकर्षणीय हैं।

6. कन्नड भाषा और संस्कृति को कर्नाटक के साहित्यकारों की देन के बारे में लिखिए। Ap-18
OR कन्नड भाषा और संस्कृति को कर्नाटक के साहित्यकारों की देन क्या है ? Apr-18,20

- ✓ बसवण्णा, अक्कमहादेवी, अल्लमप्रभु, सर्वज्ञ आदि संत कवियों ने अपने वचनों द्वारा प्रेम, दया और धर्म की सीख दी है।
- ✓ पुरंदरदास, कनकदास आदि भाक्त कवियों के सदाचार, भक्ति, नीति के गीत अमूल्य देन हैं। पंप, रन्न, पोन्न, कुमारव्यास, हरिहर, राघवांक आदि प्राचीन कवियों ने महान काव्यों की रचना कर कन्नड साहित्य को समृद्ध किया है ।
- ✓ आधिनिक काल के आठ दिग्गज साहित्यकारों ने ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त कर कन्नड भाषा, संस्कृति और कर्नाटक के गौरव बढ़ाया है।

7. ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में कर्नाटक की प्रगति का वर्णन कीजिए ।

- ✓ कर्नाटक में देश-विदेश के लोग आकर शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।
- ✓ सर. सी. वी. रामन, सर.एम. विश्वेश्वरय्या, सी. एन. आर. राव, डा. शकुंतला देवी, नारायण मूर्ति जैसे दिग्गजों ने वैज्ञानिक तथा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अपनी महत्तर उपलब्दियों से कर्नाटक को विश्व पटल पर अंकित किया है।

➢ कन्नड मे अनुवाद

1. आजकल शिक्षित समाज में विटामिन और प्रोटीन के शब्दों में विचार करने की प्रवृत्ति हो गई है। टोमाटो को पहले कोई भी न पूछता था। अब टोमाटो भोजन का आवश्यक अंग बन गया है।

ಪ್ರಸ್ತುತ ಅಕ್ಷರಸ್ಥ ಸಮಾಜದಲ್ಲಿ ವಿಟಮಿನ್ ಮತ್ತು ಪ್ರೋಟೀನ್ ಗಳ ವಿಷಯದಲ್ಲಿ ಯೋಚಿಸುವ ಪ್ರವೃತ್ತಿ ಆಗಿದೆ. ಮೊದಲು ಟೊಮೇಟೊವನ್ನು ಯಾರು ಕೇಳುತ್ತಿರಲಿಲ್ಲ . ಈಗ ಟೊಮೇಟೊ ಭೋಜನದ ಅವಶ್ಯಕ ಅಂಗವಾಗಿದೆ.

2. गाजर भी पहले गरीबों के पेट भरने की चीज़ थी । अमीर लोग तो उसका हलवा ही खाते थे; मगर अब पता चला है कि गाजर में भी बहुत विटामिन हैं; इसलिए गाजर को भी मेजों पर स्थान मिलने लगा है।

ಗಜ್ಜರಿ ಮೊದಲು ಕೇವಲ ಬಡವರ ಹೊಟ್ಟೆ ತುಂಬಿಸುವ ವಸ್ತುವಾಗಿತ್ತು, ಶ್ರೀಮಂತರು ಅದರ ಹಲ್ವಾ ಮಾತ್ರ ತಿನ್ನುತಿದ್ದರು. ಆದರೆ ಇಂದು ಅದರಲ್ಲಿರುವ ವಿಟಮಿನ್ ಗಳ ಕಾರಣದಿಂದಾಗಿ ಊಟದ ಮೇಜಿನ ಮೇಲೆ ಅದಕ್ಕೆ ಸ್ಥಾನ ದೊರೆತಿದೆ.

3. हम उसे गिल्लू कहकर बुलाने लगे | मैंने फूल रखने की एक हल्की डलिया में रुई बिछाकर उसे तार से खिड़की पर लटका दिया। दो वर्ष वही गिल्लू का घर रहा ।

ನಾವೆಲ್ಲರು ಅದಕ್ಕೆ ಗಿಲ್ಲೂ, ಎಂದು ಕರೆಯಲಾರಂಭಿಸಿದೆವು. ನಾನು ಹೂ ಇಡುವ ಸಣ್ಣ, ಬುಟ್ಟಿಯಲ್ಲಿ ಹತ್ತಿಯನ್ನು ಹಾಸಿ ಅದಕ್ಕೆ ತಂತಿಯಿಂದ ಕಟ್ಟಿ ಕಿಟಕಿಗೆ ತೂಗು ಹಾಕಿದೆ. ಎರಡು ವರ್ಷ ಅದೇ ಗಿಲ್ಲೂವಿನ ಮನೆ ಆಗಿತ್ತು.

4. गिलहरियों की जीवन की अवधि दो वर्ष से अधिक नहीं होती, अतः गिल्लू की जीवन-यात्रा का अंत आ ही गया । दिन भर उसने न कुछ खाया, न वह बाहर गया।

ಅಳಿಲುಗಳ ಜೀವನಾವಧಿ ಕೇವಲ ಎರಡು ವರ್ಷಗಳು. ಹೀಗಾಗಿ ಅಳಿಲಿನ ಜೀವನದ ಅಂತಿಮ ಯಾತ್ರೆ ಬಂದೇ ಬಿಟ್ಟಿತು. ದಿನವೀಡಿ ಅದು ಏನು ತಿನ್ನಲಿಲ್ಲ. ಹಾಗೂ ಹೊರಗೂ ಹೋಗಲಿಲ್ಲ.

8. कर्नाटक राज्य की श्रीवृद्धि में किस शासकों ने योगदान दिया है ?

- ✓ कृष्णदेवराय, मदकरिनायक, रानी अब्बक्का देवी, कित्तुरु चेन्नम्मा, टीपू सुल्तान, आदिलशाह जैसे शासकों ने कर्नाटक राज्य की श्रीवृद्धि में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

{ पद्य भाग पूर्ण करना }

कविता का नाम : **कोशिश करनेवालों भी की हार नहीं होती**

कवि का नाम : सोहनलाल द्विवेदी April 2020 Sept 2020

असफलता एक चुनौती है, इसे स्वीकार करो,
क्या कमी रह गई, देखो और सुधार करो।
जब तक न सफल हो, नींद चैन को त्यागो तुम,
संघर्ष का मैदान छोडकर मत भागो तुम।
कुछ किए बिना ही जय-जयकार नहीं होती,
कोशीश करनेवालों की कभी हार नहीं होती।

\- सोहनलाल द्विवेदी

1.शनिः सबसे सुंदर ग्रह

1. शनि सबसे सुंदर ग्रह है। कैसे ? April 2019

OR शनि ग्रह सौरमंडल का अत्यंत खूबसूरत ग्रह है। कैसे ? June 2020

- ✓ शनि सौरमंडल का सर्वाधिक सुंदर ग्रह है। शनि ग्रह के चारों ओर वलय (गोले) दिखाई देते हैं।
- ✓ प्रकृति ने इस ग्रह को हार के रूप में वलय दिया है।
- ✓ इन वलयों के कारण ही शनि सुंदर व मनोहर ग्रह माना गया है।

2. शनि किसका पुत्र है ? शनैःचर का अर्थ क्या होता है ? April 2015

- ✓ शनि सुर्य का पुत्र है।
- ✓ शनैःचर का अर्थ होता है-अत्यंत धीमी गति से चलनेवाला होता है।

3. शनैःचर का अर्थ क्या होता है ? शनि ग्रह का नाम ऐसा क्यों पडा ? Apr 16.

OR शनि ग्रह को शनैः चर क्यों कहते हैं ? June 2018

- ✓ शनैः चर का अर्थ होता है - अत्यंत धीमी गति से चलनेवाला होता है।
- ✓ इसलिए कि आकाश के गोले पर यह ग्रह बहुत धीमी गति से चलता दिखाई देता है।
- ✓ यह करीब तीस वर्षों में सूर्य का एक चक्कर लगाता है।

4. शनैः चर का अर्थ क्या है ? April 2020

Or इस ग्रह के बारे में लोगों का अंधविश्वास क्या है ? June 2015

- ✓ शनैःचर का अर्थ होता है - अत्यंत धीमी गति से चलनेवाला।
- ✓ बाद के लोगों ने शनैःचर को 'सनीचर' बना डाला। 'सनीचर' का नाम लेते ही अंधविश्वासियों की रूह काँपने लगती है।

5 . पंजे ठंडे हो रहे थे, लेखिका हीटर जलाकर उसे उष्णता देने का प्रयत्न किया। परन्तु प्रभात की प्रथम किरण के साथ ही वह चिर निद्रा में सो गया।

ಅದರ ಕಾಲುಗಳು ತಣ್ಣಗಾಗತೊಡಗಿದವು. ಲೇಖಿಕಿ ಹೀಟರ್ ಉರುಸಿ ಉಷ್ಣತೆ ನೀಡುವ ಪ್ರಯತ್ನ ಮಾಡಿದಳು. ಆದರೆ ಸೂರ್ಯೋದಯದ ಪ್ರಥಮ ಕಿರಣದೊಂದಿಗೆ ಅದು ಚಿರ ನಿದ್ರೆಗೆ ಜಾರಿತು.

6. मैं कई बच्चों में से एक था, लंबे-चौडे व सुंदर माता-पिता का छोटी कद-काठी का साधारण दिखनेवाला बच्चा। हम लोग अपने पुश्तैनी घर में रहते थे।

ನಾನು ಅನೇಕ ಮಕ್ಕಳಲ್ಲಿ ಒಬ್ಬ. ನಾನು ಎತ್ತರ ಹಾಗೂ ಸುಂದರ ತಂದೆ-ತಾಯಿಯ ಚಿಕ್ಕ ಎತ್ತರದ ಸಾಧಾರಣವಾಗಿ ಕಾಣುವ ಬಾಲಕನಾಗಿದ್ದೆ. ನಾವು ಪುರಾತನ ಮನೆಯಲ್ಲಿ ವಾಸ ಮಾಡುತ್ತಿದ್ದೆವು.

7. प्रतिष्टित शिव मंदिर के कारण रामेश्वरम प्रसिद्ध तीर्थस्थल है। हमारे घर से दस मिनट का पैदल रास्ता था। जिस इलाके में हम रहते थे, वह मुसलिम बहुल था।

ವಿಖ್ಯಾತ ಶಿವ ಮಂದಿರದ ಕಾರಣ ರಾಮೇಶ್ವರಂ ಪ್ರಸಿದ್ಧ ತೀರ್ಥಸ್ಥಳವಾಗಿದೆ. ನಮ್ಮ ಮನಿಯಿಂದ ಕಾಲ್ನಡೆಗೆಯ ಮೂಲಕ ಹತ್ತು ನಿಮಿಷದಲ್ಲಿ ತಲುಪಬಹುದು. ನಾವು ಬಹು ಸಂಖ್ಯಾತ ಮುಸ್ಲಿಮ್ ಓಣಿಯಲ್ಲಿ ವಾಸವಾಗಿದ್ದೆವು.

8. रामेश्वरम मंदिर के सबसे बड़े पुजारी पक्षी लक्ष्मण शास्त्री मेरे पिताजी के अभिन्न मित्र थे आध्यात्मिक मामलों पर चर्चाएँ करते रहते।

ರಾಮೇಶ್ವರಂ ಮಂದಿರದ ಪ್ರಮುಖ ಪೂಜಾರಿಯಾದ ಪಕ್ಷಿ ಲಕ್ಷ್ಮಣ ಶಾಸ್ತ್ರಿರವರು ನನ್ನ ತಂದೆಯ ಆತ್ಮೀಯ ಗೆಳೆಯರಾಗಿದ್ದರು. ಅವರು ಆಧ್ಯಾತ್ಮಿಕ ವಿಷಯದ ಮೇಲೆ ಚರ್ಚೆ ಮಾಡುತಿದ್ದರು.

9. अहमद जलालुद्दीन और अब्दुल कलाम अंतरंग के मित्र थे। जलालुद्दीन कलाम से

5. शनि ग्रह का निर्माण किस प्रकार हुआ है ? June 2015 June 2019

OR शनि ग्रह का वायुमंडल किन गैसों से बना है ? April-2018

शनि ग्रह का वायुमंडल हाइड्रोजन, हीलियम, मीथेन और एमोनिया गैसों से बना है।

6. शनि ग्रह एक अत्यंत ठंडा ग्रह है। कैसे ? June-2016. June-2017

OR शनि ग्रह को ठंडा ग्रह क्यों माना जाता है ? April 2017 June 2019

Ans शनि ग्रह सूर्य से अधिक दूर है, इसलिए बहुत कम सूर्यताप उस ग्रह तक पहुँचता है शनि के वायुमंडल का तापमान शून्य के नीचे 150* सेंटीग्रेड के आसपास रहता है। इसलिए शनि ग्रह को अत्यंत ठंडा ग्रह कहा जाता है।

7. सौरमंडल में शनि का स्थान क्या है ? April 2018

OR सौरमंडल का सबसे बड़ा ग्रह कौनसा है ? उनमें शनि का स्थान क्या है ?

- ✓ सौरमंडल का सबसे बडा ग्रह बृहस्पति (गुरू ग्रह) है।
- ✓ उनमें शनि का स्थान दूसरा है।

8. टाइटन के बारे में लिखिए | June 2018

OR टाइटन की विशेषताओं के बारे में लिखिए। Sept 2020

OR शनि का उपग्रह टाइटन के बारे में आप क्या जानते हैं ? April 2019

- ✓ टाइटन, शनि का सबसे बड़ा उपग्रह (चंद्र) है।
- ✓ यह सौर मंडल का सर्वाधिक महत्वपूर्ण और दिलचस्प उपग्रह है।
- ✓ टाइटन हमारे चंद्र से भी काफी बड़ा है।
- ✓ इसका व्यास 5150 किलोमिटर है।
- ✓ टाइतन की स्तह पर अंतरिक्ष यान को उतारा जा सकता है।

9. सूर्य से पृथ्वी और शनि का अंतर बताइये। April 2020

शनि ग्रह पृथ्वी से कितना गुना बड़ा है ? शनि के गोले का व्यास कितना है ?

- ✓ शनि ग्रह पृथ्वी से करीब 750 गुना बड़ा है।
- ✓ शनि के गोले का व्यास 116 हजार किलोमिटर है।

10. शनि की सतह पर उतर पाना आदमी के लिए संभव नहीं है। क्यों ?

- ✓ शनि की सतह पर उतर पाना आदमी के लिए संभव नहीं है क्योंकि चंद्रमा, मंगल या शुक्र की तरह शनि के केंद्र भाग में ठोस गुठली होनी चाहिए।

2. सत्य की महिमा

1. सत्य क्या होता है ? और उसका रूप कैसा होता है ? April-2016

OR पाठ के अनुसार सत्य का स्वरूप कैसा है ? April 2020

- ✓ सत्य ! बहुत ही भोला-भला, बहुत ही सीधा-साधा होता है।
- ✓ सत्य दृष्टि का प्रतिबिंब है, ज्ञान का प्रतिलिपि है, आत्मा की वाणी है।
- ✓ जो कुछ भी आँखों से देखा, उसे बिना नमक-मिर्च लगाए बोलना ही सत्य है।

करीबन पंद्रह साल बडे थे। वे कलाम को 'आजाद' कहकर पुकारा करते थे।

ಅಹ್ಮದ್ ಜಲಾಲುದ್ದೀನ್ ಮತ್ತು ಅಬ್ದುಲ್ ಕಲಾಮ್ ಆತ್ಮೀಯ ಗೆಳೆಯರಾಗಿದ್ದರು. ಜಲಾಲುದ್ದೀನ್ ಕಲಾಮರಗಿಂತ 15 ವರ್ಷ ದೊಡ್ಡವರಾಗಿದ್ದರು. ಅವರು ಕಲಾಮರನ್ನು ಆಜಾದ್ ಎಂದು ಕರೆಯುತ್ತಿದ್ದರು.

10. रामेश्वरम में अखबारों के एकमात्र वितरक शम्सुद्दीन थे। अखबार पामबन से रामेश्वरम स्टेशन पर सुबह की ट्रेन से आती थी। इस अखबार एजेंसी को वे अकेले ही चलाते थे।

ಶಮ್ಸುದ್ದೀನ ರಾಮೆಶ್ವರಂನಲ್ಲಿನ ಒಬ್ಬರೇ ದಿನಪತ್ರಿಕೆಯ ವಿತಕರಾಗಿದ್ದರು. ದಿನಪತ್ರಿಕೆಗಳು ಪಾಮಬನದಿಂದ ಬೆಳಿಗ್ಗೆ ರೈಲಿನ ಮೂಲಕ ರಾಮೆಶ್ವರಂಗೆ ಬರುತ್ತಿದ್ದವು. ಈ ದಿನಪತ್ರಿಕೆಗಳ ಕಾರ್ಯಭಾರವನ್ನು ಅವರೊಬ್ಬರೇ ನಿರ್ವಹಿಸುತ್ತಿದ್ದರು.

11. नहीं साहब, नहीं। यह तो भीख है। मैं भीख नहीं लूँगा। आप छलनी ले लें।

ಬೇಡ ಸಾಹೆಬರೆ ಬೇಡ. ಇದು ಭೀಕ್ಷೆಗೆ ಸಮ. ನಾನು ಭೀಕ್ಷೆ ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳುವುದಿಲ್ಲ, ನೀವು ಜರಡಿ(ಛಾಣಿ)ಯನ್ನು ಖರೀದಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ.

12. बसंत नोट भुनाने गया था, मगर जब भुनाकर लौट रहा था, तो मोटर के नीचे आ गया। मोटर उसके ऊपर से निकल गई।

ಬಸಂತನು ಚಿಲ್ಲರೆ ಮಾಡಲು ಹೋಗಿದ್ದನು. ಚಿಲ್ಲರೆ ಮಾಡಿಕೊಂಡು ಮರಳಿ ಬರುವಾಗ ವಾಹನಕ್ಕೆ ಡಿಕ್ಕಿ ಹೊಡೆದನು. ವಾಹನವು ಅವನ ಮೇಲಿಂದ ಹಾದು ಹೋಯಿತು.

13. डाक्टर साहब ! जब तक मैं नहीं आता आप यहीं रहें, इसे बचाना होगा। बसंत गरीब है पर इसमें एक दूर्लभ गुण है, यह ईमानदार है।

ಡಾಕ್ಟರ್ ಸಾಹೇಬರೆ ! ನಾನು ಎಲ್ಲಿಯವರೆಗೆ ಬರುವುದಿಲ್ಲವೋ ಅಲ್ಲಿಯವರೆಗೆ ನೀವು ಇಲ್ಲೇ ಇರಿ, ಇವನನ್ನು ಬದುಕಿಸಬೇಕಾಗಿದೆ. ಬಸಂತ ಬಡವನಾದರೂ ಇವನಲ್ಲಿ ದೂರ್ಲಭವಾದ ಪ್ರಾಮಾಣಿಕತನವೆಂಬ

2. शास्त्र में सत्य बोलने का तरीका कैसे समझाया गया है ? April 2017 June 2017, 2019

शास्त्र में समझाया गया है सच बोलो जो दूसरों को प्रिय लगे, अप्रिय सत्य मत बोलो ।'

3. महात्मा गांधी जी का सत्य शक्ति के बारे में क्या कथन है ? April 2015 Sept-2020

OR सत्य के बारे में महात्मा गांधी जी का क्या विचार है ? Apri 2016 Jun 2015 Apr 2019

- ✓ गांधी जी की सत्य के बारे में कथन है - "सत्य" एक विशाल वृक्ष है।
- ✓ उसका जितना आदार किया जाता है, उतने ही फल उसमें लगते हैं। उनका अंत नहीं होता।

4. झूठ बोलनेवालों की हालत कैसी होती है ? June-2018

OR झूठ बोलने का परिणाम क्या होता है ? June 2017 April-2018

- ✓ अपमानित होना पड़ता है।
- ✓ व्यक्ति के विकास के मार्ग में बाधक होता है व्यक्तित्व कुंठित होता है।
- ✓ लोगों का उस पर विश्वास उठ जाता है।
- ✓ उन्नति द्वार बंद हो जाते हैं ।

5. राजा हरिश्चंद्र की सत्यनिष्ठा के बारे में बताइए। June 2016

- ✓ Ans: राजा हरिश्चंद्र की सत्यनिष्ठा विश्वविख्यात है।
- ✓ उन्हे सत्य के मार्ग पर चलते अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, लेकिन उनकी कीर्ति आज भी सूरज की रोशनी से कम प्रकाशमान नहीं है ।

6. झूठ का सहरा लेने से क्या-क्या सहना पडता है ?

- ✓ एक झूठ साबित करने के लिए हज़ारों झूठ बोलने पड़ते हैं।
- ✓ और, कहीं पोल खुली तो मुँह काला करना पड़ता है, अवमानित होना पड़ता है।

7. हमें सत्य बोलने और पालन करने का अभ्यास क्यों करना चाहिए ?

- ✓ Ans : सत्य की महिमा अपार है। सत्य महान और परम शक्तिशाली है ।
- ✓ सत्य की नाव से ही हम भवसागर का संतरण कर सकते हैं।
- ✓ सत्य वह चिनगारी है जिससे असत्य पल भर में भस्म हो जाता है।
- ✓ अतः हमें हर स्थिति में सत्य बोलने और पालन करने का अभ्यास करना चाहिए।

8. "संसार के महान व्यक्तियों ने सत्य का सहार लिया है" -सोदाहरण समझाइए ।

- ✓ राजा हरिश्चंद्र की सत्यनिष्ठा विश्वविख्यात है।
- ✓ राजा दशारत ने सत्य वचन निभाने के लिए अपने प्राण त्याग दिए।
- ✓ महात्मा गांधी जी ने सत्य की शक्ति से ही विदेशी शासन को झकझोर दिया।

पत्र लेखन

व्यवहारिक पत्र

छुट्टी पत्र

अन्य कारण १. मेरी तबियत खराब होने के कारण, २. मेरे दोस्त की जन्म दिवस में भाग लेने कारण, ३. मुझे अपने त्योंहार में भाग लेने कारण

ಗುಣವಿದೆ.

14. आज का युग इंटरनेट युग है । इसका असर बड़े बूढों से लेकर छोटे बच्चों तक सब पर पड़ा है । इंटरनेट विश्वव्यापी कंप्यूटरों का नेटवर्क है ।

ಇಂದಿನ ಯುಗ ಅಂತರ್ಜಾಲದ ಯುಗವಾಗಿದೆ. ಇದರ ಪ್ರಭಾವವು ಚಿಕ್ಕ ಮಕ್ಕಳಿಂದ ಹಿಡಿದು ಎಲ್ಲ ವಯೋಮಾನದವರ ಮೇಲೆ ಬೀರಿದೆ. ಅಂತರ್ಜಾಲವು ವಿಶ್ವವ್ಯಾಪಿ ಗಣಕಯಂತ್ರಗಳ ಜಾಲವಾಗಿದೆ.

15. इंटरनेट द्वारा घर बैठे बैठे खरीदारी कर सकते हैं । कोई भी बिल भर सकते हैं । इससे दूकान जाने और लाइन में घंटों खड़े रहने का समय बच सकता है।

ಅಂತರ್ಜಾಲದ ಮೂಲಕ ಮನೆಯಲ್ಲಿ ಕುಳಿತುಕೊಂಡು ಸಾಮಾನುಗಳನ್ನು ಖರೀದಿಸಬಹುದು. ಯಾವುದೇ ಬಿಲ್ಲುಗಳನ್ನು ಪಾವತಿಸಬಹುದು. ಹೀಗೆ ಮಾಡುವುದರಿಂದ ಅಂಗಡಿಗೆ ಹೋಗುವುದು ತಪ್ಪುವುದರ ಜೊತೆಗೆ ಘಂಟೆಗಳ ಕಾಲ ಸರತಿ ಸಾಲಿನಲ್ಲಿ ನಿಲ್ಲದೆಯಿರುವುದರಿಂದ ಸಮಯದ ಉಳಿತಾಯ ಆಗುತ್ತದೆ.

16.' वीडियो कान्फरेन्स' एक सभागार है । इसके द्वारा दुनिया के कई देशों के पतिनिधियों के साथ चर्चा कर सकते है। विभिन्न देशों में रहनेवाले लोगों के साथ विचार विनिमय कर सकते है

ವಿಡಿಯೋ ಕಾನ್ಫರೆನ್ಸ್ ಒಂದು ಸಭಾಗಾರವಾಗಿದೆ. ಇದರ ಮೂಲಕ ಪ್ರಪಂಚದ ಅನೇಕ ದೇಶಗಳ ಪ್ರತಿನಿಧಿಗಳೊಂದಿಗೆ ಚರ್ಚೆ ಮಾಡಬಹುದು. ವಿಭಿನ್ನ ದೇಶಗಳಲ್ಲಿ ವಾಸಮಾಡುವ ಜನರೊಂದಿಗೆ ವಿಚಾರಗಳನ್ನು ವಿನಿಮಯ ಮಾಡಕೋಳ್ಳಬಹುದು.

17. 'सोशल नेटवर्किंग' एक क्रांतिकारी खोज है । फेसबुक, ट्विट्टर आदि इसके साइट्स हैं । इन साइट्स के कारण देश-विदेश के लोगों की रहन-सहन, वेश-भूषा, संकृति, कला आदि का प्रभाव हमारे समाज पर पड़ रहा है ।

'ಸಾಮಾಜಿಕ ಜಾಲತಾಣಗಳು ಒಂದು ಕ್ರಾಂತಿಕಾರ ಸಂಶೋಧನೆ. ಫೆಸಬುಕ್, ಟ್ವಿಟರ್, ವಾಟ್ಸಆಪ್ ಮುಂತಾದ ಅನೇಕ ತಾಣಗಳಾಗಿವೆ.

प्रेषक,

अ.ब.क

की रा चे व शाला शाहपुर

जिला: यादगिरी -585223

दिनांक :- 06-07-2021

सेवा में,

प्रधान अध्यापक

की रा चे व शाला शाहपुर

जिला: यादगिरी -585223

आदरणीय महोदय

विषय : तीन दिन की छुट्टी की प्रार्थना हेतु ।

उपर्युक्त विषय के संबंध में आपसे निवेदन है कि दिनांक: 07-06-2021 से दिनांक: 09-06-2021 तक मुझे अपने बहन की शादी में भाग लेने कारण मैं विद्यालय नहीं आ सकता/ती । अतः आपसे प्रार्थना करता / ती हूँ कि इन तीन दिनों की छुट्टी देने की कृपा करें ।

धन्यवादसहित,

आपका / की आज्ञाकारी छात्र/छात्रा

अ. ब. क

अभिभावक के हस्ताक्षर

घरेलु पत्र

पिताजी को पत्र

शैक्षित पर्यटन के लिए पिता से 500 रू माँगते हुए उन्हे एक पत्र लिखिए

दिनांक: 01-07-2021

पूज्य पिताजी सादर प्रणाम

आपके आशीर्वाद से मैं यहाँसहकुशल से हूँ। आपका पत्र पढकर अत्यंत खुशी हुई । आपकी आज्ञानुसार मन लगाकर पढाई कर रहा हूँ। आनेवाले परीक्षा में ज्यादा अंकों के साथ अच्छी श्रेणी पाने की उम्मीद है। हमारे स्कूल में शैक्षित यात्रा का आयोजन किया है, मुझे भी जाने की बडी इच्छा है । अतः आप मुझे अनुमती के साथ मनी आर्डर द्वारा 500 रू भेजने की कृपा करें ।

माताजी को मेरा प्रणाम, बहन को मेरा प्यार.

आपका पुत्र

अ. ब. क

सेवा में

आर. एस. मोहन कुमार

घर नं १२/०१/६१

गांधी नगर कलबुरगी

ಈ ತಾಣಗಳ ಕಾರಣ ದೇಶ-ವಿದೇಶಗಳ ಜನರ ಬಾಳ-ಬದುಕು, ವೇಶ-ಭೂಷಣ, ಸಂಸ್ಕೃತಿ ಮತ್ತು ಕಲೆಗಳ ಪ್ರಭಾವವು ನಮ್ಮ ಸಮಾಜದ ಮೇಲೆ ಬೀರಿದೆ.

18. ई-गवर्नेन्स द्वारा सरकार के सभी कामकाज का विवरण, अभिलेख, सरकारी आदेश आ को यथावत लोगों को सूचित किया जाता है। इससे प्राशासन पारदर्शी बन सकता है |

ಇ-ಆಡಳಿತದ ಮೂಲಕ ಸರಕಾರದ ಎಲ್ಲ ಕೆಲಸ-ಕಾರ್ಯಗಳ ವಿವರಣೆ, ಮಾಹಿತಿಗಳು, ಸರ್ಕಾರಿ ಆದೇಶಗಳನ್ನು ಯಥಾವತ್ತು ಜನರಿಗೆ ತಿಳಿಸಬಹುದಾಗಿದೆ. ಇದರಿಂದ ಆಡಳಿತವು ಪಾರದರ್ಶಿಯಾಗುತ್ತದೆ.

19. इंटरनेट एक ओर वरदान है तो दूसरी ओर वह अभिशाप भी है । इसकी वजह से पैरसी, बैंकिंग फ्राड, हैकिंग आदि बढ़ रही है। इससे बच्चे अनुपयुक्त और अनावश्यक जानकारी हासिल कर रहे हैं ।

ಅಂತರ್ಜಾಲವು ಒಂದು ಕಡೆ ವರದಾನವಾದರೆ ಇನ್ನೊಂದು ಕಡೆ ಶಾಪವೂ ಆಗಿದೆ. ಇದರಿಂದ ಕೃತಿಚೌರ್ಯ, ಬ್ಯಾಂಕ್ ಮೋಸತನ ಹಾಗೂ ಕಳ್ಳತನ ಹೆಚ್ಚಾಗತೊಡಗಿವೆ. ಅಂತರ್ಜಾಲದ ಮೂಲಕ ಮಕ್ಕಳು ಅನುಪಯುಕ್ತ ಹಾಗೂ ಅನಾವಶ್ಯಕ ವಿಷಯಗಳ ಮಾಹಿತಿಯನ್ನು ಪಡೆದುಕೊಳ್ಳುತ್ತಿದ್ದಾರೆ.

20. हम लोग इस शहर में ईमान्दारों का सम्मेलन कर रहे हैं । आप देश के प्रसिद्ध ईमानदार हैं । हमारी प्रार्थना है कि आप इस सम्मेलन का उदघाटन करें ।

ನಾವುಗಳು ಈ ನಗರದಲ್ಲಿ ಪ್ರಾಮಾಣಿಕರ ಸಮ್ಮೇಳನವನ್ನು ಆಯೋಜಿಸಿದ್ದೇವೆ. ನೀವು ದೇಶದ ಪ್ರಖ್ಯಾತ ಪ್ರಾಮಾಣಿಕ ವ್ಯಕ್ತಿಗಳು. ತಾವು ಈ ಸಮ್ಮೇಳನದ ಉದ್ಘಾಟನೆ ಮಾಡಬೇಕೆಂದು ತಮ್ಮಲ್ಲಿ ವಿನಂತಿಸಿಕೊಳ್ಳುತ್ತೇವೆ.

21. स्टेशन पर हरिशंकर परसाई जी का खूब स्वागत हुआ । लगभग दस बडी फूल-मालाएँ पहनायी गयीं । तब वे सोचते हैं, आस-पास माली होता तो फूल-मालाएँ भी बेच लेता ।

ರೈಲು ನಿಲ್ದಾಣದಲ್ಲಿ ಹರಿಶಂಕರ ಪರಸಾಯಿರವರನ್ನು ಸ್ವಾಗತಿಸಿ ಬರಮಾಡಿಕೊಳ್ಳಲಾಯಿತಿ. ಸರಿ-ಸುಮಾರು ಹತ್ತಾರು ದೊಡ್ಡದಾದ ಹೂ-ಮಾಲೆಗಳನ್ನು ತೊಡಿಸಲಾಯಿತು. ತೋಟ್ಟ ಹೂ-

कोशिश एक कदम आगे... Basawaraja Bhooti. Mob - 9900804567 अध्ययन सामग्री

1.जनसंख्या की समस्या

- **प्रस्तावना / विषय प्रवेश :-** बढ़ती जनसंख्या की समस्या सामान्य रूप से विश्व की समस्या है | भारत को बढ़ती हुई जनसंख्या का सामना करना पड़ रहा है। दुनियाँ की 17% आबादी भारत में रहती है। जनसंख्या की दृवि से भारत विश्व में दूसरे स्थान पर है |
- **जनसंख्या में वृद्धि के कारण :**
  - विज्ञान की उन्नति के साथ चिकित्सी एवं स्वास्थ्य की सुविधाओं में उन्नति हुई है।
  - विभिन्न बीमारियों के लिए इलाज और उपचार शोध किये गये हैं। फलतः जन्म लेने वाले शिशुओं और रोगियों की मृत्यु दर में कमी हुई है। तथा औसत आयु में वृद्धि हुई है।
  - अशिक्षित और गरीब वर्ग के लोगो के अज्ञान के कारण जनसंख्या में वृद्धि।
  - धार्मिक श्रध्दा के कारण जन्म नियंत्रण विधियों और परिवार नियोजन विधियो को नही अपनाना।
- **जनसंख्या विस्फोट के दुष्परिणाम :**
  - बढ़ती हुई जनसंख्या के कारण देश की प्रगति कुंठित होती है।
  - वस्तुओं के मूल्य में वृद्धि और दिन प्रतिदिन महंगाई बढ़ रही है।
  - बेकारी और बेरोज़गारी की वजह से अपराधों में वृद्धि हुई है।
  - पर्यावरण प्रदूषण की समस्या उत्पन्न हुई है।
- **भारत में जनसंख्या नियंत्रण के लिए उठाए गए कदम :**
  - सरकार ने पुरुषों के लिए न्यूनतम विवाह योग्य आयु 21 वर्ष और महिलाओं के लिए 18 वर्ष तय की है।
  - दत्तक ग्रहण को बढ़ाव दिया गया है सरकार द्वारा बच्चों को गोद लिने को भी बढ़ाव दे दिया गया है।
  - सरकार तथा सामाजिक संस्थाओं ने सभाओं, गोष्ठिओं, संचार माध्यमों द्वारा छोटे पररिर से होने वाले फ़ायदे का प्रचार व प्रसार किया है।
- **उपसंहार :** भारत में बढ़ती जनसंख्या गंभीर चिंता का विषय है। हालंकि सरकार ने इस पर नियंत्रण रखने के लिए बहुत सारे कदम उटाए हैं , लिखिन यह नियंत्रण पर्याप्त प्रभावि नहीं है। इस समस्या को रोकने के लिए कई अन्य उपाय किए जाने की अवश्याकता है।

"सुखमय जीवन का यह सार | दो बच्चों का हो परिवार |"

2.स्वच्छता का महत्व

- **प्रस्तावना / विषय प्रवेश :-** " स्वच्छता में निर्मल्ता , सफ़ाई में खुदाई होती है। " साफ़ सफ़ाई एक अच्छी आदत है , जो स्वच्छ पर्यावरण और आदर्श जिवन के लिए हर एक के पास होनी चाहिए।
- **महत्व एवं आवश्यकता :** स्वच्छता हमें मानसिक सामाजिक और बौद्धिक हर तरीके से स्वस्थ बनाती है। हमें अपने आसपास के वातावरण को साफ रखना चाहिए ताकि किसी प्रकार की बीमारी ना फैले।
- **अभियान का आरंभ :** स्वच्छ भारत अभियान का आरंभ नई दिल्ली के राजघाट पर 2 अक्टूबर 2014 को भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने किया था |
- **अभियान के उद्देश्य:**
  - भारत में खुले में मला त्याग की व्यवस्था का जड़ से उन्मूलन करना |
  - व्यक्तिगत शौचल्य का निर्माण की व्यवस्था |
  - स्वच्छता के लिए लोगो में जागरूकता लाना |
  - व्यावहारिक बदलाव को बढ़ाव देना |
  - शहर और ग्रामों को स्वच्छ रखना |
  - साफ सफाई से संबंधित जन जागृति कार्यक्रम का आयोजन करना |
- **उपासंहर:** हम यह कह सकते हैं कि मानव के जीवन में स्वच्छता का बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान है। स्वच्छ विद्यलय, स्वच्छ भोजन, स्वयं की स्वच्छता, व्यक्तिगत स्वच्छता, बचों की सुरक्षा, स्वच्छ पेयजल और स्वच्छ शौचालय इन सब का होना बहुत ही महत्वपूर्ण है। इस लिए देश के हर नागरिक को अपने घर के आस पास के वातावरण को स्वच्छ रखना सीखना चाहिए। और छात्रों को भी स्वच्छता के प्रति सचेत कराना अवश्यक है।

ಮಾಲೆಯನ್ನು ಕಂಡು, ಹತ್ತಿರದಲ್ಲಿ ಯಾರಾದರು ಹೂ ಮಾರಾಟ ಮಾಡುವವರಿದ್ದರೆ ಮಾರಿದರಾಯಿತು ಎಂದು ಯೋಚಿಸಿದರು.

22. सम्मेलन का उदघाटन शानदार हुआ। हरिशंकर परसाई जी लागभग एक घंटे तक भाषण दिये। वे चप्पल पहनने गये तो, चप्पलें गायब थीं।

ಸಮ್ಮೇಳನದ ಉದ್ಘಾಟನೆ ವೈಭವದಿಂದ ಜರುಗಿತು. ಹರಿಶಂಕರ ಪರಸಾಯಿರವರು ಸರಿ-ಸುಮಾರು ಒಂದು ಘಂಟೆಗಳ ಕಾಲ ಭಾಷಣವನ್ನು ಮಾಡಿದರು. ಅವರು ಚಪ್ಪಲಿ ತೊಡಲು ಹೋದಾಗ ನೋಡುತ್ತಾರೆ, ಚಪ್ಪಲಿಗಳೇ ಮಾಯವಾಗಿದ್ದವು.

23. "देखिए, चप्पलें एक जगह नहीं उतारनी चाहिए। एक चप्पल यहाँ उतारिये, तो दूसरी दस फीट दूर। तब चप्पलें चोरी नहीं होतीं"।

" ನೋಡಿ, ಚಪ್ಪಲಿಗಳನ್ನು ಒಂದೇ ಸ್ಥಳದಲ್ಲಿ ಬಿಡಬಾರದು. ಒಂದು ಚಪ್ಪಲಿ ಇಲ್ಲಿ ಬಿಟ್ಟರೆ, ಎರಡನೇ ಚಪ್ಪಲಿ ಹತ್ತು ಅಡಿ ಅಂತರದಲ್ಲಿ ಬಿಡಬೇಕು. ಹೀಗೆ ಮಾಡಿದಾಗ ಚಪ್ಪಲಿಗಳು ಕಳವು ಆಗುವುದಿಲ್ಲ."

24. मंत्रीन ने कहा, परसाई जी, गाडी आने में देर है। चलिये, स्वागत समिति के साथ अच्छे होटल में भोजन हो जाये। अब ताला लगा देते हैं।

ಪರಸಾಯಿರವರೆ, ರೈಲು-ಗಾಡಿ ಬರಲು ಇನ್ನು ತಡವಿದೆ ಎಂದು ಮಂತ್ರಿ ಹೇಳಿದರು. ನಡೆಯಿರಿ, ಸ್ವಾಗತ ಸಮಿತಿಯವರೊಂದಿಗೆ ಕೂಡಿಕೊಂಡು ಒಳ್ಳೆಯ ಉಪಗೃಹದಲ್ಲಿ ಊಟ ಮಾಡೋಣ. ಈವಾಗ ಕೋಣೆಗೆ ಕೀಲಿಮಣಿ ಹಾಕೋಣ.

25. बिछेंद्री का जन्म एक साधारण परिवार में हुआ था। बिछेंद्री पाल के पिता किशनपाल सिंग और माता हंसादेई नेगी थे। एवरेस्ट की चोटी पर चढनेवाली पहली भारतीय महिला होना का गौरव प्राप्त है।

ಬಿಛೇಂದ್ರಿಯವರ ಜನ್ಮವು ಒಂದು ಸಾಧಾರಣ ಕುಟುಂಬದಲ್ಲಾಗಿತ್ತು. ಬಿಛೇಂದ್ರಿಯವರ ತಂದೆ-ತಾಯಿ ಹೆಸರು ಕಿಶನಪಾಲ ಸಿಂಗ್ ಮತ್ತು ಹಂಸಾದೇವಿ ನೇಗಿ. ಇವರು ಎವರೆಸ್ಟ್ ಶಿಖರವನ್ನೇರಿದ ಭಾರತದ ಪ್ರಥಮ ಮಹಿಳೆ ಎಂಬ ಗೌರವಕ್ಕೆ ಪಾತ್ರರಾಗಿದ್ದಾರೆ.

3.इंटरनेट

- विषय प्रवेश :- आज का युग इंटरनेट युग है। बड़े बूढ़ों से लेकर छोटे बच्चों तक सब पर इस इन्टरनेट का असर पढ़ा है।
- इंटरनेट का अर्थ :- इंटरनेट अनगिनत कंप्यूटरों के कई अंतरजाल का एक दूसरे से संबंध स्थापित करने का जाल है।
- इंटरनेट का महत्व :- इंटरनेट जीवन के हर क्षत्र में अपना कमाल दिखाया है। चिकत्सा , कृषि, अंतरिक्षा ज्ञान , विज्ञान , शिक्षा और यहां तक कि देश के रक्षा दिलो की कार्यावाही में इंटरनेट का बहुत बड़ा योगदान है।
- इंटरनेट लाभ:
  - इंटरनेट द्वारा घर बैटे बैटे खरीदारी कर सकते हैं।
  - कोई भी विचार हो , चित्र हो , या विषय हो कम समय में विश्व के किसी भी कोने में भेजना संभव हो गया है।
  - इंटरनेट द्वारा कोई भी बिल भर सकते हैं।
  - इंटरनेट बैंकिंग द्वारा दुवनियां की किसी भी जगह में चाहे जितनी भी रक़म भेजी जा सकती है। संचार और सूचना के क्षेत्र में प्रगति हुई है ◦
- इंटरनेट के दुष्परिणाम / हानियां :-
  - इंटरनेट की वजह से पैरेसी , बैंकिंग फ्रॉड , हांकिंग आधि बढ़ रही है।
  - मुक्त वेब साइट , चाटिंग आधि से युवा पीढ़ी बिगड़ रही है।
  - बच्चों अनावश्यक एवं अनुपयुक्त जानकारी हावसि कर रहे हैं।
  - समय को नष्ट कर रहे हैं
- उपसंहार :- उपरयुक्त विषय को देखते हुये हम कह सकते हैं कि इंटरनेट एक ओर वरदान है तो दूसरी ओर अभिशाप भी है। हमें इंटरनेट का उपयोग जरूरतों को या अच्छे ज्ञान को प्राप्त करने के लिए करना चाहिए ना कि अनावश्यक या अनुपयोगी जानकारी के लिए।

4.नागरिक के कर्तव्य

- विषय प्रवेश : भारत एक लोकतांवत्रिक देश है , जहां नागरिक पूरी स्वतंत्रता के साथ रहते हैं। हर नागरिक को अपने देश पर अधिकार के साथ साथ देश के प्रति उसके उत्तरदायित्व भी होते हैं।
- नागरिक का अर्थ और अच्छे नागरिक के लक्षण :
  - देश के किसी भी स्थान शहर या गांव में रहनेवाले व्यक्तियों को नागरिक कहते हैं .
  - देश के अच्छे नागरिक होने के नाते अपने गांव, शहर, समाज, राज्य और राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व रखना चाहिए।
  - देश के नियमो तथा कानूनों का पालन करना चाहिए ◦
  - देश को समृध्दि एवं खुशहाल बनाए रखने के लिए अपनी महत्वपूर्ण भुमिका निभाना चाहिए।
  - अच्छे नागरिक का व्यवहार देश और देशिासियों के हित में हो और देश के विकास के प्रति चिंतित रहकर अपना योगदान देना चाहिए।
- नागरिक के कर्तव्य :
  - संविधान के नियमो का प्लन करना।
  - देश के प्रति गौरव भाव अपने देश के राष्ट्रध्वज ,राष्ट्रगान ,राष्ट्रीय त्योहार , आधि का आदर करना।
  - देश की एकता और अखंडता कायम रखना।
  - देश की धरोहर की रक्षा करना और सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखना।
  - जाति , धर्मा , भाषा , प्रदेश , वर्गा पर आधारित भेद भावों से दूर रहना।
  - वैज्ञानिक दृष्टिकोण और सुधार की भावना का विकास करना।
  - देश की संस्कृती और गौरवशालि परंपरा का सम्मान करना।

उपसंहार : समाज उन लोगों को सम्मान देता है , जो अपने कर्तव्या को सही तरीके से निर्वाहन करते हैं। देश के नागरिक होने के नाते हमें इन कर्तव्यो का पालन करना चाहिए। इससे देश का कल्याण होगा , अपने कर्तव्योऔर नियमो का उल्लंघन करनेवालो नागरिक दंड का भागेदार होगा।

26. बिछेंद्री को रोज पैदल चल कर स्कूल जाना पडता था। सिलाई करके पढ़ाई का खर्च जुटायी। उन्होंने संस्कृत में एम.ए तथा बी. एड तक की शिक्षा प्राप्त की।
ಬಿಛೇಂದ್ರಿಯವರಿಗೆ ದಿನಾಲೂ ಕಾಲ್ನಡಿಗೆ ಮೂಲಕ ಶಾಲೆಗೆ ಹೋಗಬೇಕಾಗಿತ್ತು. ಹೊಲಿಗೆ ಕೆಲಸದ ಮೂಲಕ ಅಭ್ಯಾಸದ ಖರ್ಚು ಜಮೆ ಮಾಡುತಿದ್ದಳು. ಅವರು ಸಂಸ್ಕೃತ ವಿಷಯದಲ್ಲಿ ಎಮ್.ಎ. ಮತ್ತು ಬಿ.ಇಡಿ.ದ ವರೆಗೆ ಶಿಕ್ಷಣ ಪಡೆದರು.

27. २३ मई,१९८४ के दिन बिछेंद्री एवरेस्ट की चोटी पर खडी थी। बर्फ पर अपने माथे को लगाकर वे सागरमाथे के ताज का चुंबन किया। हनुमान चालीसा और दुर्गा माँ का चित्र निकाला छोटी-सी पूजा करके इनको बर्फ में दबा दिया |
23 ಮೇ 1984 ರ ದಿನ ಬಿಛೇಂದ್ರಿಯವ್ರು ಶಿಖರವನ್ನೇರಿದರು. ಮಂಜುಗಡ್ಡೆಗೆ ತನ್ನ ಹಣೆ ಹಚ್ಚಿ ಹಿಮಾಲಯದ ತುದಿಯನ್ನು ಚುಂಬಿಸಿದರು. ಹನುಮಾನ ಚಾಲಿಸಾ ಮತ್ತು ದುರ್ಗಾದೇವಿಯ ಪೂಜೆ ಮಾಡಿ ಮಂಜುಗಡ್ಡೆಯಲ್ಲಿ ಹುತು ಹಾಕಿದರು.

28 . कर्नाटक राज्य भारत देश का प्रगतिशील राज्य है। यहाँ की आबादी लगभग छः करोड से ऊपर है। कर्नाटक की प्राकृतिक सुषमा नयन मनोहर है।
ಕರ್ನಾಟಕ ರಾಜ್ಯವು ಭಾರತ ದೇಶದ ಪ್ರಗತಿಶೀಲ ರಾಜ್ಯವಾಗಿದೆ. ಇಲ್ಲಿನ ಜನಸಂಖ್ಯೆ ಸರಿಸುಮಾರು ಆರು ಕೋಟಿಗಿಂತ ಅಧಿಕವಾಗಿದೆ. ಕರ್ನಾಟಕದ ಪ್ರಕೃತಿ ಸೌಂದರ್ಯವು ನಯನ ಮನೋಹರವಾಗಿದೆ.

29. कर्नाटक में कन्नड भाषा बोली जाती है। इसकी राजधानी बेंगलूरु है। बेंगलूरु शिक्षा का ही नहीं, बल्कि बडे-बडे उद्योग-धंधों का भी केंद्र है।
ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಕನ್ನಡ ಭಾಷೆ ಮಾತನಾಡಲಾಗುತ್ತದೆ. ಇದರ ರಾಜಧಾನಿ ಬೆಂಗಳೂರು. ಬೆಂಗಳೂರು ಶಿಕ್ಷಣ ಸಂಸ್ಥೆಗಳ ಮತ್ತು ಬೃಹತ ಉದ್ಯೋಗ-ವ್ಯಾಪಾರದ ಕೇಂದ್ರವಾಗಿದೆ.

30. कर्नाटक में चंदन के पेड विपुल मात्रा में हैं। इसलिए कर्नाटक को चंदन का आगार कहते हैं। यहाँ चंदन का तेल, साबुन तथा कलाकृतियाँ भी बनायी जाती हैं।
ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಶ್ರೀಗಂಧದ ಮರಗಳು

5.बेरोज़गारी

- विषय प्रवेश : हमारे देश की एक कठिन समस्या है बेरोज़गारी | बेरोज़गारी एक आर्थिक और सामाजिक समस्या है जिसके कारण देश की शांति और व्यवस्था को खतरा है |
- बेरोज़गारी का अर्थ : बेरोजगार उस व्यक्ति को कहा जाता है जो कि बाजार में प्रिति मजदूरी दर पर काम तो करना चाहता है लिखिन उसे काम नही मिल पा रहा है | किसी पढ़े विखे व्यक्ति को नौकरी नही मिल रही है तो उसे बेरोजगार माना जाता है |
- बेरोज़गारी के कारण :
  - ❖ बढ़ती हुई जनसंख्या ।
  - ❖ दोषपूर्ण शिक्ष प्रणालि ।
  - ❖ आधुवनक मशीनोंका उपयोग
  - ❖ उद्योग धंधों का अभाव ।
  - ❖ लघु तथा कुटीर उद्योगों की अिनति
- बेरोज़गारी के दुष्परिणाम :
  - ❖ बेरोजगारी के कारण निर्दनता में वृद्धि होती है।
  - ❖ भुखमरी की समस्या उत्पन्न होती है ।
  - ❖ अपराधों में वृद्धि होती है ।
  - ❖ बेरोजगारी के कारण मानसिक अशांति होती हैऔर कुछ लोग तंग आकर आत्महत्या कर लेते हैं
- बेरोज़गारी दूर करने के उपाय :
  - ❖ लघु उद्योगों को प्रोत्साहन देना ।
  - ❖ जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण लगाना ।
  - ❖ मशीनीकरण और कप्यूटरीकरण पर नियंत्रण ।
  - ❖ रोजगार के नए अवसरों की तलाश।
  - ❖ कृषि के सहायक उद्योग धंधों का विकास।
  - ❖ कुटीर और लघु उद्योगों का विकास, शिक्षा प्रणालि में परिवर्तन।
- उपसंहार : हमें वनराश नहं होना चाहिए हमारी शिक्षण व्यवस्था में सुधार किया जा रहा है । अपने काम धंधे करने के लिए लोन दिया जा रहा है । आवश्यकता इस बात की है कि हम आत्मश्वास और दृढ़ता के साथ सहयोग करें और मिलकर इस समस्या को हल करें ।

6. महँगाई

- विषय प्रवेश : भारत की बहुत सी आर्थिक समस्याओं में महंगाई की समस्या एक मुख्य है , जिसके कारण ग़रीबों को अपनी मूलभूत आवश्यकताएँ भी पूरी करना मुश्किल हो जाता है ।
- महंगाई का अर्थ : महंगाई का अर्थ होता है वस्तुओं की क़ीमत में वृद्धि या इज़ाफ़ा होना। महंगाई की वजह से देश की अर्थ व्येवस्था में उतार चढाव आते हैं |
- महंगाई के कारण :
  - o जनसंख्या वृद्धि के कारण ।
  - o अनाज कम होने के कारण ।
  - o अतिवृष्टि और अनावृष्टि के कारण ।
  - o बड़े बड़े व्यापारी अनाज को अपने अपने गोदामों में जमा कर बाज़ार में दाम बढ़ने तक रखते हैं
- महंगाई से उत्पन्न समस्याएं :
  - o अनाज पर्याप्त मात्र में ना मिलने के कारण काला बाज़ारी की समस्या उत्पन्न होती है ।
  - o काला धन जमा हो रहा है ।
  - o राजनीति में व्याप्त भ्रष्टाचर ।
  - o राष्ट्रीय कृत उद्योगों में घाटा ।
  - o रुपए का अवमूल्यन मुद्रास्फीति।
- महंगाई दूर करने के उपाय : सरकार को कालाबाजारी रोकने के लए बहुत ही सख्त कानून बनाने चाहिए । महंगाई को खत्म करने के लिए जनता को भी सरकार का साथ देना चाहिए । जनसंख्या पर नियंत्रण लगाने से भी महंगाई को रोका जा सकता है ।भ्रष्टाचार काला बाजारी करनेवालों पर शासक पर का कठोर नियंत्रण होना चाहिए ।
- उपसंहार : महंगाई देश की आर्थिक व्यस्ता के लिए खतरनाक है इस पर नियंत्रण नही किया गया तो भ्रष्टाचार को प्रेरणा मिलती है इसके कारण आर्थिक वृद्धि मंद पड़ जाती है अतः महंगाई पर नियंत्रण के लिए यथाशीघ्र कड़े से कड़े कदम उठाने की अवश्यकता है |

ಹೇರಳವಾಗಿವೆ. ಹೀಗಾಗಿ ಕರ್ನಾಟಕವನ್ನು ಶ್ರೀಗಂಧದ ಬಿಡು ಎಂದು ಕರೆಯುತ್ತಾರೆ. ಇಲ್ಲಿ ಶ್ರೀಗಂಧದ ಎಣ್ಣೆ, ಸಾಬೂನು ಹಾಗೂ ಕಲಾಕೃತಿಗಳನ್ನು ತಯಾರಿಸಲಾಗುತ್ತದೆ.

31. कर्नाटक राज्य की शिल्पकला अनोखी है। बादामी, ऐहोले आदि मंदिरों की शिल्पकला और वास्युकला अद्भुत है । बेलूरु, हलेबीडु आदि मंदिरों की पत्थर की मूर्तियाँ सजीव लगती हैं ।

ಕರ್ನಾಟಕದ ರಾಜ್ಯದ ಶಿಲ್ಪ ಕಲೆಯು ವಿಶಿಷ್ಟವಾಗಿದೆ. ಬಾದಾಮಿ, ಐಹೊಳೆ ಮಂದಿರದ ಶಿಲ್ಪಕಲೆ ಮತ್ತು ವಾಸ್ತುಕಲೆ ಅದ್ಭುತವಾಗಿದೆ. ಬೇಲೂರು-ಹಳೇಬಿಡು ಮಂದಿರದ ಕಲ್ಲಿನ ಮೂರ್ತಿಗಳು ಸಜೀವ ಮೂರ್ತಿಗಳಾಗಿವೆ.

32. श्रवणबेलगोला में ५७ फुट ऊँची गोमटेश्वर की एकशिला प्रतिमा है, जो दुनिया को त्याग और शांति का संदेश दे रही है । विजयपुरा के गोलगुंबज कि व्हिस्परिंग गैलरी वास्तुकला का अद्वितीय दृष्टांत है। मैसूरु का राजमहल कर्नाटक के वैभव का प्रतीक है।

ಶ್ರವಣಬೆಳಗೊಳದಲ್ಲಿರುವ 57 ಅಡಿ ಎತ್ತರವಿರುವ ಗೊಮ್ಮಟೇಶ್ವರ ಏಕಶಿಲಾ ಮೂರ್ತಿಯೂ ಜಗತ್ತಿಗೆ ತ್ಯಾಗ ಮತ್ತು ಶಾಂತಿಯ ಸಂದೇಶ ಸಾರುತಿದೆ. ವಿಜಯಪುರದ ಗೋಳಗುಮ್ಮಟಿನ ವಿಸ್ಪರಿಂಗ್ ಗ್ಯಾಲರಿಯು ವಾಸ್ತುಕಲೆಗೆ ಒಂದು ಅದ್ವಿತೀಯ ಉದಾಹರಣೆಯಾಗಿದೆ. ಮೈಸೂರಿನ ಅರಮನೆಯು ಕರ್ನಾಟಕದ ವೈಭವದ ಪ್ರತೀಕವಾಗಿದೆ.

33. वचनकार बसवण्ण क्रांतिकारी समाज सुधारक थे । अक्कमहादेवी, अल्लमप्रभु, सर्वज्ञ आि अपने वचनों द्वारा प्रेम, दया और धर्म की सीख दी है। पुरंदरदास, कनकदास आदि कवियों ने भक्ति, नीति, सदाचार के गीत गाये हैं।

ವಚನಕಾರ ಬಸವಣ್ಣ ಕ್ರಾಂತಿಕಾರಿ ಸಮಾಜ ಸುಧಾರಕರಾಗಿದ್ದರು. ಅಕ್ಕಮಹಾದೇವಿ, ಅಲ್ಲಮಪ್ರಭು ಮತ್ತು ಸರ್ವಜ್ಞ ತಮ್ಮ ವಚನಗಳ ಮೂಲಕ ಪ್ರೇಮ, ದಯೆ ಹಾಗೂ ಧರ್ಮದ ಸಂದೇಶ ಸಾರಿದ್ದಾರೆ. ಪುರಂದರದಾಸ, ಕನಕದಾಸ ಮುಂತಾದ ಸಂತರು ಭಕ್ತಿಯ, ನೀತಿಯ ಹಾಡುಗಳನ್ನು ನಹಾಡಿದ್ದಾರೆ.

कोशिश एक कदम आगे...
Basawaraja Bhooti. Mob - 9900804567
अध्ययन सामग्री

7. समाचार पत्र

विषय प्रवेश :

“रोज़ सबेरे घर मैं आऊँ देश - विदेश की ख़बर सुनाऊँ

ज़मीन – आसमान की बातें बताऊँ। बताओ मैं कौन हुं ?

” दुनियाँ के हर कोने की खबरों को हर दिन आम आदमी तक पहुंचने वाल ज़बरदस्त, सुलभ और सस्ता माध्यम ही समाचार पत्र है`।

समाचार पत्र का इतिहास : भारत में सर्वप्रथम समाचार पत्र सन 1843 में हिन्दी भाषा में ‘ उदंत मातांड ‘ और कन्नड़ भाषा में ‘ मंगलुरू समाचारा ‘ नाम से प्रकाशित हुआ।

समाचार पत्र के रूप और प्रकार : समाचार पत्र दैनिक ,साप्ताहिक ,पाक्षिक , मासीक आधि के रूप में मिलते हैं | विषय की दृवि से सामाजिक, धार्मिक , वैज्ञानिक , साहितिक , आर्थिक , सांस्कृतिक , मनोरंजक आदि लोगों में विभाजित किया जाता है ।

समाचार पत्र का महत्व एवं लाभ : समाचार पत्र के कई लाभ होते हैं ।

- आम जनता तक स्थानीय,राज्या,राष्ट्रीय, तथा अंतराष्ट्रीय ताज़ा खबरें आसानी से पहुंचजाती हैं ।
- ज्ञान में वृधी होती है ।
- खेल कुद, सिनेमा, मौसम, नौकरी संबंधी विज्ञापन, बाज़ार भाव, कृषि व्यापार, संबंधी सूचनाएँ मिलती हैं ।
- किसानों को कृषि संबंधी बहुत सारी जानकारी मिलती है ।
- वैज्ञानिक आविष्कारों से बचे परिचित होते हैं ।

उपसंहार : समाचार पत्र आजकि मानुष के जीवन का विभिन्न अंग बन चुका है । समाज और जनता के ज्ञानजगत का सुलभ साधन है । समाचार पत्र जनता की वाणी , दुनियाँ का दर्पण है । यह जनजागरण का सुगम और सर्वोत्तम साधन है । संक्षेप में कहा जाय तो समाचार पत्र एक सरि एवं मितव्ययी साधन है ।

8. पर्यावरण परदूषण

प्रस्तावना : परिसर का गहरा प्रभाव मानव जीवन पर पड़ता है । मानव ही अपने चारों ओर के वातावरण को शुध्द रख सकता है , लेखिन प्रकृति की गोद में पला माना आज प्रकृति पर ही अत्याचार कर रहा है और पर्यावरण को दूषित कर रहा है ।

पर्यावरण परदूषण अर्थ एवं प्रकार : पर्यावरण प्रदूषण का अर्थ है विशेष रूप से दोष युक्त वातावरण । मुख्य रूप से प्रदूषण 3 प्रकार से होता है । हवा के दूषित हो जाने से , जल के गंदे हो जाने से, और ध्वनि की अधिकता से , संक्षेप में इनको वायु प्रदूष , जल प्रदूषण, और ध्वनि प्रदूषण कहा जाता है ।

पर्यावरण परदूषण के कारण : पर्यावरण प्रदूषण का मुख्य कारण है हमारी बढ़ती हुई जनसंख्या वाहनों की संख्या और कारखानों की संख्या ।

- वप्रदूषण का प्रमुख कारण वन विनाश है। लगातार वृक्षों की कटाई से प्रकृति का संतुलन डगमगा रहा है।
- वाहनो और कारखानो से निकलनेवालि कार्बन डाई ऑक्साइड तथा अन्य विषैली गैसों से पर्यावरण प्रदूषण बढ़ रहा है ।
- कारखानों से निकलाने वाले हानिकारक रासायनिक द्रव्य बहकर नदी नालों में जा मिलते हैं और पानी गंदा हो जाता है।
- अनावश्यक जगहों पर ध्वनिवर्धकों का उपयोग और बिना कारण वाहनों के भोपू बजाना लिसके कारण ध्वनि प्रदूषण होता है ।

परदूषण रोकने में छात्रों की भूमिका : पर्यावरण प्रदूषण को रोकने के लिए हमेशा तत्पर रहना चाहिए | अपनी पाठशाल एवं गांव का किचरा कड़ा और गंदगी को साफ करना चाहिए | पर्यावरण प्रदूषण के प्रति जागरूक रहना चाहिए | पेड़ पौधों को लगाना और बढ़ाना चाहिए |

उपसंहार : पर्यावरण प्रदूषण को रोकना हमारा करतव्य है | सरकार द्वारा बनाए गए कानूनों को ध्यान में रखकर एक अच्छे नागरिक की हैसियत से हमें अपने आसपास के वातवरण को साफ रखने का भरसक प्रयास करना चाहिए| सरकार को संचार माध्यमों द्वारा पर्यावरण के महत्व का प्रचार प्रसार करना चाहिए। ऐसा करने से पर्यावरण प्रदूषण को कुछ हद तक रोका जा सकता है |

➢ अपाठित गध्यांश

जीवन के किसी भी क्षेत्र में सफलता के लिए आलस्य और भाग्यवादिता का दामन छुड़ाकर कठिन परिश्रम करना ही एकमात्र मार्ग होता है। जीवन में सुख प्राप्त करना हर मनुष्य की आकांक्षा होती है। केवल परिश्रम ही जीवन संघर्ष में सफलता ला सकता है। मानव का इतिहास साक्षी है कि अपने पुरुषार्थ पर भरोसा रखनेवाले लोग ही रेगिस्तानों में झील बना सके । वस्तुतः अपने साहस, कौशल और सच्ची लगन के सहारे ही परिश्रमी व्यक्ति जीवन के रेतीले मैदानों को पार करता है। अपने परिश्रम के सहारे मनुष्य सफलता के हर शिखर का स्पर्श कर सकता है।

क) जीवन में सफलता प्राप्त करने का मार्ग कौन-सा है ?

ख) पुरुषार्थ पर भरोसा रखनेवाले लोग क्या कर सकते हैं ?

ग) परिश्रमी व्यक्ति जीवन के रेतीले मैदानों को किस के सहारे पार करता है ?

घ) शिखर का स्पर्श कौन कर सकता है।

मोती की सीप के समान बनो । एक बड़ी सुंदर भारतीय कथा है कि यदि स्वाति नक्षत्र में वर्षा का एक बूंद उस सीप में पड़ जाता है तो वह मोती बन जाता है। हम भी वैसे बनें जैसे, मोती उस मूल्यवान वर्षा की बूंद पाने के लिए प्रतिक्षा करती है। पहले सुनो, तब मनन करो, और अंत में सब दुविधा को छोड़कर अपने अंतः करण को बाह्य प्रभावों की ओर से बन्द कर लो सफलता के लिए अत्यधिक अध्यवसाय एवं प्रबल इच्छाशक्ति का होना आवश्यक है । अध्यवसाय आत्मा कहती है, मै समुद्र को पी जाऊंगी। यह कर्मशक्ति प्राप्त करो, कठोर परिश्रम करो और तुम निश्चित ही लक्ष पर पहुंच जाओगे।

क) एक बडी सुंदर भारतीय कथा क्या है ?

ख) हमें कब मनन करना है ?

ग) अध्यवसायी आत्मा क्या कहती है ?

घ) अपने लक्ष्य पर पहुँचने के लिए क्या करनी चाहिए ?